RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 231 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, बुधवार 8 जून 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

सफलता के लिए रणनीति बताएंगे यूपीएससी टॉपर्स

दुर्ग। जिला प्रशासन द्वारा यूपीएससी परीक्षा के मार्गदर्शन के लिए राज्य का गौरव बढ़ाने वाले यूपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों द्वारा बीआईटी में 10 जून को दोपहर 3:00 बजे विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से जिले में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को यूपीएससी में चयनित टॉपर्स के साथ खुले मंच में वार्तालाप करने का मौका मिलेगा।

टॉपर्स करेंगे मोटिवेट: राज्य का गौरव बढ़ाने वाले यूपीएससी में चयनित टॉपर्स सुश्री श्रद्धा शुक्ला, अक्षय पिल्लई, सुश्री पूजा साहू और अभिषेक अग्रवाल जिनकी रैंक क्रमशः 45, 51, 199 और 254 है, बीआईटी सभागार में युवाओं को तकनीक, कौशल, टाइम मैनेजमेंट, राइटिंग स्किल, इंटरव्यू व एकाग्रता के साथ साथ सफलता के लिए रणनितियां बताएंगे। पढ़ाई के दौरान स्ट्रेस मैनेजमेंट को हैंडल करने के नुस्खे भी देंगे।

अनुभव का लाभ उठायें: कलेक्टर डॉ. भुरे ने बी.आई.टी में आयोजित होने वाली इस कार्यशाला को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों के लिए एक सुनहरा अवसर बताया। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं से अपील की कि वो इस कार्यशाला का ज्यादा से ज्याद लाभ उठाएं और सफ्लता की ओर अपना मार्ग प्रशस्त करें।

हसदेव अरण्य क्षेत्र में कोयला खनन के मुद्दे पर आमने-सामने

सीएम बघेल बोले- सिंहदेव की मुराद होगी पूरी! नहीं चलेगी गोली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य में राजस्थान को कोल ब्लॉक की मंजूरी का भारी विरोध हो रहा है। कोल ब्लॉक की मंजूरी को लेकर राज्य के आदिवासी और प्रभावित ग्रामीण लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। वहीं इसको लेकर राज्य में राजनीति भी तेज हो गई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव और सीएम भूपेश बघेल कोयला खनन को लेकर आमने सामने आ गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा है कि घने जंगलों का विनाश करके कोयला खनन नहीं होना चाहिए। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि अगर कोई बंदूक और गोलियां चलाने के लिए आता है, तो आप मुझे फोन करें। मैं पहली गोली लूंगा।

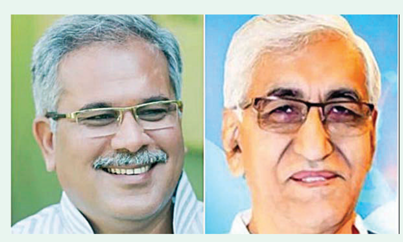

सीएम भूपेश ने दी प्रतिक्रिया

छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर सिंहदेव नहीं चाहते कि पेड़ काटे जाएं, तो एक भी शाखा को नहीं छुआ जाएगा। गोली लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जो कोई भी बंदूक देगा उसे गोली मार दी जाएगी।

किसान और आदिवासी कर रहे विरोध

गौरतलब है कि राज्य में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड को आवंटित दो कोयला खदानों में खनन की अनुमति के खिलाफ कार्यकर्ताओं और ग्रामीण लगातार विरोध कर रहे हैं। बीते शनिवार को सीएम भूपेश बघेल ने कोयला खनन की जरूरत पर बल दिया था। उन्होंने कहा था कि खनन जारी रहेगा। इतना ही नहीं उन्होंने कहा था कि जो लोग कोयला खनन का विरोध कर रहे हैं, उन्हें पहले अपने घरों में बिजली को बंद कर देना चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोयला खनन के दौरान अस्सी हजार पेड़ काटे जाने हैं।

टीएस सिंहदेव ने किया था परसा कोल माइंस क्षेत्र का निरीक्षण

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव सोमवार को परसा कोल माइंस क्षेत्र के गांवों में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने सरगुजा के हरिहरपुर गांव में आंदोलनरत ग्रामीणों से मुलाकात भी की थी। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा था कि घने जंगलों का विनाश करके कोयला खनन नहीं होना चाहिए। ऐसी जगहों से कोयला निकाला जाए जहां जंगल नहीं हैं। अगर ग्रामीण एक राय रहे तो उनकी जमीन कोई नहीं ले सकता। एकता ही सबसे बड़ी ताकत है। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी से मिलकर इस बारे में जानकारी देने की बात भी कही थी।

पंजे और दांत के लिए तेंदुए का शिकार! वन विभाग के सर्च ऑपरेशन में संदिग्ध के घर से यह सब मिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में वन विभाग ने एक नर तेंदुए का शव बरामद किया है। तेंदुए के शरीर से पंजे और दांत जैसे कई अंग गायब हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के उप निदेशक वरुण जैन ने बताया कि पड़ोसी राज्य उड़ीसा से लगे दक्षिण उदंती क्षेत्र के जंगल में वन विभाग ने लगभग पांच वर्षीय एक नर तेंदुए का शव बरामद किया है। शव करीब 4-5 दिन पुराना है। जैन ने बताया, 'तेंदुए के शव में पंजे और दांत नहीं पाए गए हैं, जिससे उसके अवैध शिकार की आशंका जताई जा रही है। शव सड़ चुका है इसलिए मौत के कारणों के संबंध में तत्काल जानकारी नहीं मिल पाई है। शव के नमूनों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।'

वन विभाग ने चलाया सर्च ऑपरेशन

अधिकारी ने बताया कि वन विभाग ने जब खोजी कुत्ते के दस्ते के साथ क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया, तब इंदागांव में एक संदिग्ध के घर से हिरन, भालू और मोर के शरीर के अंग, बिजली के तार, धनुष-बाण और शिकार में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि जब घर की तलाशी ली गई तब संदिग्ध व्यक्ति वहां नहीं था। उसके संबंध में जानकारी ली जा रही है। घर से तेंदुए के शरीर के अंग बरामद नहीं हुए हैं।

जशपुर में 45 हाथियों ने मचाई तबाही, पानी की तलाश में जंगल से बाहर निकले हाथी कर रहे हमले

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में 45 हाथियों ने तबाही मचा दी है। हाथियों के हमले में कुछ लोगों की मौत हुई है। छत्तीसगढ़ के संसदीय सचिव ने कहा कि 45 हाथियों का एक समूह 5 समूहों में टूट गया। हमने नजर रखने के लिए तीन टीमें बनाई हैं। हमें बताया गया कि हाथियों के साथ मुठभेड़ में दो लोगों की मौत हो गई। इनमें से एक की हाथी के हमले से मौत की पुष्टि हो गई है, दूसरे की पुष्टि की जा रही है।

डीएफओ जशपुर जितेंद्र उपाध्याय ने कहा, मैं लोगों से सतर्क रहने की अपील करता हूं। हाथियों को मत छेड़ें। घर के अंदर रहें, खासकर रात के समय। सुबह जल्दी बाहर जाने से बचें। भीषण गर्मी के कारण हाथियों को जंगलों में पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है और बाहर निकल रहे हैं।

फिर डराने लगा कोरोना, 24 घंटे में बढ़ गए 40 प्रतिशत मरीज, सामने आए 5000 से ज्यादा मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की फिर से चिंता बढ़ा दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में देश में 5233 नए मरीज सामने आए हैं। जबकि, एक दिन पहले 3741 मामले दर्ज किए गए थे। यानी कोरोना के मरीजों में एक दिन में करीब 40 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया है। एक दिन में इतने मरीज कई महीनों बाद दर्ज किए गए हैं। इसके साथ ही सक्रिय मरीजों की संख्या में भी भारी इजाफा हुआ है। अब देश में 28857 कोरोना के सक्रिय मरीज हैं।

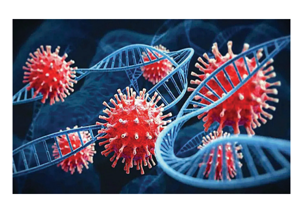

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 3345 लोग कोरोना से ठीक हुए हैं और सात लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही देश में कोरोना से होने वाली कुल मौतों की संख्या 5,24,715 पहुंच गई है।

जून में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार

कोरोना के आंकड़ों को देखें तो इस महीने की शुरुआत से ही कोरोना ने रफ्तार पकड़ ली है। एक जून से सात जून तक हर दिन चार हजार के आसपास मामले दर्ज किए गए। जबकि, सप्ताह समाप्त होते ही 5000 से ज्यादा मामले सामने आए। आंकड़ों को देखें तो एक जून को 2745, दो जून को 3712, तीन जून को 4041, चार जून को 3962, पांच जून को 4270, छह जून को 4518 और सात जून को 3741 मामले सामने आए। वहीं आज 5233 मामले दर्ज किए गए।

बाघ की मौत का मामला: भैंस का जहरीला मांस खाने से बाघ की मौत, चार आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में एक बाघ की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया प्रथम दृष्टया सामने आया कि बाघ की मौत जहर खाने से हुई। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। अधिकारियों के मुताबिक, उन्हें रविवार को गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में एक बाघ की मौत की सूचना मिली थी, जिसके बाद मौके पर टीम को रवाना किया गया। राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक रंगनाधा रामकृष्ण वाई. ने बताया, मामले की जांच के लिए फॉरेसिंक टीम को भी मौके पर भेजा गया। जांच में सामने आया कि बाघ की मौत भैंस का जहरीला मांस खाने से हुई। इस दौरान बाघ के पैरों के निशानों की भी जांच की गई। राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक रंगनाधा रामकृष्ण वाई. ने बताया, बाघ की मौत मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद चारों आरोपियों को कोर्ट के सामने पेश किया गया।

बिलासपुर में फूड प्वॉइजनिंग के 15 और मरीज मिले, स्वास्थ्य विभाग ने गांव में लगाया कैंप, पानी का सैंपल भी लिया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में गुपचुप व चाट खाने से बीमार लोगों की संख्या 40 पहुंच गई है। फूट प्वाइजनिंग से एक बच्ची की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की एक टीम को गांव भेजकर कैंप लगाया गया, जिसमें 15 नए मरीज मिले हैं। बीमार लोगों को बिल्हा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। सीएमएचओ ने बीएमओ शुभ्रा गढ़ेवाल को निर्देशित किया कि मरीजों के स्टूल सैंपल लेकर परीक्षण के लिए सिम्स भेजा जाए। वहीं देवकिरारी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में शिविर लगाकर मरीजों की जांच की गई। बीमारी के लक्षण वाले मरीजों को दवा दी गई है।

बता दें कि बिल्हा के ग्राम देवकिरारी में रविवार को एक ठेले वाले से गुपचुप व चाट खाए थे। इसके बाद देर शाम को गांव के कई लोगों को उल्टी होने लगी। आनन-फानन में 25 लोगों को उपचार के लिए बिल्हा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। 2 बच्चों की हालत गंभीर होने पर सोमवार को बिल्हा स्वास्थ्य केंद्र से उन्हें सिम्स बिलासपुर रेफर किया। उपचार के दौरान 9 वर्षीय मीनाक्षी कोसले पिता चंद्रप्रकाश कोशले की मौत हो गई। वहीं उसकी बड़ी बहन 11 वर्षीय साक्षी कोसले की हालत चिंताजनक बनी हुई है। बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने से स्वास्थ्य विभाग ने गांव में कैंप लगाया तो 15 और मरीज मिले, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरीज डॉक्टरों की देखरेख में हैं।

अस्पताल में इन मरीजों का चल रहा उपचार

बीमार ग्रामीणों में रीना (23), दिक्षा (17), मनोरमा(20), दिप्ती (12), दिलेश्वरी (28), अभिलाषा (10), शुभांगी (10), कैलाश (8), हेमलता (37), हेमा बंजारे (44), कुंती बंजारे (30), लक्ष्मीकांत (10), चंद्रकांत (16), गगन (12), मीनाक्षी (9), रोशनी (8), दिलेश्वरी (20), अर्चना (38), संजुलता बंजारे (30) हंशिका बंजारे (18) के नाम बताए गए हैं। दूषित खाद्य पदार्थ खाने वाले इन मरीजों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

सीएमएचओ पहुंचे अस्पताल, परिजनों से की बात

फूड प्वाइजनिंग से बच्ची की मौत का खबर के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा है। अभी 22 से अधिक बीमार लोग का उपचार बिल्हा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चल रहा है। वहीं दो बच्चों को केयर एंड क्योर हॉस्पिटल में दाखिल किया गया है। सीएमएचओ डॉ. प्रमोद महाजन बिल्हा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। डॉक्टरों से उपचार संबंधी जानकारी ली। सीएमएचओ ने गांव में स्वास्थ्य टीम भेजकर हेल्थ जांच की गई। स्वास्थ्य टीम को गांव में 15 बीमार और मिले हैं, जिन्हें उल्टी-दस्त के साथ बुखार आदि की शिकायत थी। सभी को बिल्हा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राशन घोटाला: राशनकार्ड धारियों के राशन का बंदरभाट करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिला के नगर निगम क्षेत्रों के सहकारी कापरेटियों में राशन दुकानदारों द्वारा अतिरिक्त मुनाफा कमाने पिछले मई माह 2022 को राशनकार्ड धारियों को गुपचुप तरिके से कम राशन देकर बायोमेट्रिक प्रणाली में पुरा राशन उठाव करना दिखा कर बंदरभाट किया गया।

मई माह में केन्द्र सरकार का पीएम राईस नाम से प्रति व्यक्ति पांच किलो राशन दिया जाना था जहां यह राशन अप्रेल और मई का था इस प्रकार से प्राथमिकता कार्ड में प्रति व्यक्ति लगभग 15 किलो राशन मिलना था लेकिन लगभग सभी राशन दुकानों में एक माह का राशन रोक कर दिया गया परन्तु ऑनलाईन बायोमेट्रिक में तीनो प्रकार के राशन देना दर्शाया गया है जो बहुत बड़ा घोटाला है इतना बड़े घोटाला संचालनकर्ताओं और सक्षम अधिकारीयो के मिलीभगत के बीना संभव नही हो सकता जिसका जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करने और पीड़ित राशनकार्ड धारियों को उनका राशन दिलाने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश महामंत्री नरेश कुमार सागरवंशी के नेतृत्व में जिलाधिश महोदय जिला दुर्ग को ज्ञापन सौंपा गया साथ में लगभग 32 हितग्राहियों का राशनकार्ड की कॉपी और एईपीडीएस की कापी सबूत के तौर पर सौंपा गया।

कलेक्टर महोदय द्वारा त्वरित कार्यवाही करने आश्वासन दिया गया। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश महामंत्री नरेश कुमार सागरवंशी के साथ हनुमान सिंह, ठाकुर राम साहु, सुंदर साहु, तेजराम आदि उपस्थित हुए।

सहकारिता, कार्पोरेट और स्व सहायता समूह

दीपक रंजन दास

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश को क्या चाहिए-सहकारिता, कार्पोरेट या स्व-सहायता समूह। आरंभिक दौर में भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों का वेतन बहुत ज्यादा नहीं था। एकल परिवार था, तीन-तीन चार-चार बच्चे थे, बीएसपी स्कूलों में सस्ती शिक्षा थी, बीएसपी के अस्पतालों में मुफ्त इलाज था। बावजूद इसके कर्मचारी सहकारी समितियां बनाते थे। ऐसा कर वे राशन खर्च का कुछ पैसा बचा लेते थे। सालाना हिसाब कर यह रकम आपस में बांट लेते, सदस्यों को उपहार देते या फिर पिकनिक करते। उधर ग्राम तिरगा झोला में दाऊ प्यारेलाल बेलचंदन कृषि सहकारिता पर काम कर रहे थे। सहकारी बैंक, सहकारी राशन दुकानें स्थापित हो रही थीं। सहकारिता के दम पर ही स्मृति नगर जैसी आवासीय कालोनियां बनी। जैसे-जैसे वेतन भत्ता बढ़ा, सहकारिता फिकरा मात्र बन कर रह गई। कार्पोरेट का दौर आया तो दर्जी, मोची, आटा चक्की, मसाला कूटने पीसने वाले, सबका धंधा मंदा पड़ गया। गरीबों की आजीविका छिन गई और किसी ने उफ्फ तक नहीं की। एक बार फिर सहकारिता ने अपना दम दिखाना शुरू किया। अंतर केवल इतना था कि इस बार धुर गरीबों ने सहकारिता आंदोलन शुरू किया। जिनके पास खाने-पहनने के लिए नहीं था, वे केवल श्रम के बल पर सहकारिता के क्षेत्र में आए। स्व-सहायता समूह बनाकर उन्होंने एक दूसरे की मदद से बड़ा व्यापार खड़ा कर लिया। महिलाओं ने इस में बाजी मार ली। दस-पंद्रह महिलाओं के स्व-सहायता समूह खेती किसानी, ठेकेदारी, खदान संचालन, अपराह्न भोजन से लेकर पोल्ट्री फार्मिंग, मशरूम फार्मिंग, मवेशी पालन, मछली पालन, गोबर खाद बनाने से लेकर दाल मिल तक चलाने लगे। राजनांदगांव में पद्मश्री फुलबासन बाई यादव के नेतृत्व में ढाई लाख महिलाएं संगठित हो गईं। गुण्डरदेही में पद्मश्री शमशाद बेगम ने शराब और जुए पर प्रभावी नियंत्रण लगा दिया। हाल ही में जापान की एक टीम ने धमधा के संडी में श्रद्धा स्व सहायता समूह का काम देखा और तारीफ की। आईसीआईसीआई फाउंडेशन के सहयोग से यहां दाल बनाने और पालिश करने की मशीन लगी है। अच्छी खासी मांग भी निकल आई है। महिलाएं न केवल आर्थिक बल्कि राजनीतिक शक्ति बनकर उभर रही हैं। वे निजाम भी बदल सकती हैं।

संपादकीय

झुलसाती गरमी

रिकॉर्डों का टूटना हमेशा सुखदायी नहीं होता, कई बार वे बेहद कष्टदायक होते हैं। खासकर तब, जब वे कुदरती घटनाक्रमों से जुड़े हों। राजधानी दिल्ली समेत देश के विभिन्न इलाकों में चढ़ता तापमान इन दिनों जैसे कीर्तिमान गढ़ रहा है, वे आम जनजीवन को व्याकुल करने वाले, और साधनहीन लोगों के लिए जानलेवा हैं। तपते इलाकों में पारा कई-कई घंटों तक 42-43 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं उतर रहा, तो कई जगहों पर सोमवार को यह 46.5 डिग्री से भी ऊपर पहुंच गया था। हालत यह है कि मौसम विभाग को कल दिल्ली के लोगों को यह सलाह जारी करनी पड़ी कि जितना संभव हो सके, घर के भीतर ही रहें। आज भी राजधानी में लू चलने की चेतावनी दी गई है, बल्कि शुक्रवार तक प्रचंड गरमी का अंदेशा जताया गया है।

> देश के कई बड़े शहरों में अब हर वर्ष इन दिनों में भीषण जलसंकट खड़ा हो जाता है। इसलिए स्थानीय स्तर पर बेहतर जल-प्रबंधन की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। इसी तरह, अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में भी तेजी से कदम बढ़ाने की जरूरत है। हरित क्षेत्रों के विस्तार और विशालकाय महानगरों के बजाय छोटे-छोटे हरित शहरों के निर्माण में ही भारत का भविष्य है। तभी हम कुदरत की ऐसी बेरुखी झेल सकेंगे।

इस साल हिमाचल, उत्तराखंड जैसे पर्वतीय प्रदेशों में भी राहत नहीं। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में तापमान 41.5 डिग्री से ऊपर जा चुका है।

लेकिन इस विकट मौसमी परिस्थिति में लोगों का काम पर निकलना उनकी बाध्यता भी है और आवश्यकता भी। ऐसे में, मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए उन्हें विशेष एहतियात के साथ ही बाहर निकलना चाहिए। भीषण गरमी के इन दिनों में बिजली-पानी की मांग में बढ़ोतरी लाजिमी है। वैसे, सरकारें इसके लिए अब पहले से कार्ययोजना भी तैयार करने लगी हैं, फिर भी मांग और आपूर्ति के बीच अंतर रह ही जाता है। लेकिन महानगरों और बड़े शहरों में, जहां हरित क्षेत्रों की भारी कमी है, बेहद तंग गलियों वाले बड़े-बड़े इलाके हैं, और दड़बेनुमा मकानों में लाखों लोग रहते हैं, वहां बिजली की आपूर्ति दशकों पहले एक अनिवार्यता बन चुकी है। इस झुलसाती गरमी में उनकी अपेक्षाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। चरम मौसमी परिस्थितियां अब बिजली-पानी आपूर्ति जैसे विभागों के कौशल और सरकारों की प्रशासनिक क्षमता की भी परीक्षा लेने लगी हैं। पश्चिम में स्थानीय शासन की दक्षता लोकतंत्र की सफलता की एक बड़ी कसौटी बनकर इसीलिए उभरी है। स्मार्ट सिटी बनाने के पीछे यही अवधारणा है। ग्लोबल वार्मिंग को लेकर दुनिया के बड़े देशों का रवैया किसी से छिपा नहीं है। इसका नतीजा पूरी दुनिया को भोगना पड़ रहा है। जंगलों में आग लगने की बढ़ती घटना हो या ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और समुद्री जल-स्तर बढ़ने के कारण निकट भविष्य में कई इलाकों के वजूद पर खतरा मंडराने की बात, जो बेचैनी विश्व समुदाय में दिखनी चाहिए, वह नदारद है। ऐसे में, अब देशों को अपने तईं रणनीति बनानी होगी कि वे कैसे इन चरम मौसमी स्थितियों का मुकाबला कर सकेंगे। यह संतोष की बात है कि आधुनिक प्रौद्योगिकी की मदद से मौसम विभाग अब कुदरती हलचलों की सटीक भविष्यवाणी करने में सक्षम है। पर चूंकि भारत एक विशाल आबादी और सीमित संसाधनों वाला देश है, इसे अपने संसाधनों के समुचित उपयोग में विशेष दक्षता हासिल करनी होगी। जैसे, देश के कई बड़े शहरों में अब हर वर्ष इन दिनों में भीषण जलसंकट खड़ा हो जाता है। इसलिए स्थानीय स्तर पर बेहतर जल-प्रबंधन की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। इसी तरह, अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में भी तेजी से कदम बढ़ाने की जरूरत है। हरित क्षेत्रों के विस्तार और विशालकाय महानगरों के बजाय छोटे-छोटे हरित शहरों के निर्माण में ही भारत का भविष्य है। तभी हम कुदरत की ऐसी बेरुखी झेल सकेंगे।

सिर्फ सोनिया व राहुल ही क्यों?

केंद्र सरकार के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को पेशी का नोटिस भेजा है। ये दोनों कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष हैं। इनके अलावा आप पार्टी के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को ईडी ने हिरासत में डाल रखा है। लालू प्रसाद यादव और ओमप्रकाश चौटाला पहले से जेल भुगत रहे हैं। झारखंड के कुछ अफसर भी जेल भुगत रहे हैं। ये लोग सब कौन हैं? ये सब गैर-भाजपाई नेता हैं। ये सब विरोधी दलों के अध्यक्ष या मुख्यमंत्री या अफसर रहे हैं? इनमें से किसका कितना दोष या अपराध है, यह तो अदालतें तय करती हैं लेकिन कितने गर्व और गौरव की बात है कि इनमें से एक भी आदमी ऐसा नहीं है, जो भाजपा का हो या सत्तारुढ़ दल का हो। यदि भाजपा के सभी नेता और कार्यकर्त्ता सचमुच ऐसे हों तो इससे बढ़कर आनंद की बात राष्ट्र के लिए क्या हो सकती है? लेकिन क्या ऐसा है? यह कैसे पता चले? या तो वे शपथ लेकर कहें कि वे दूध के धुले हुए हैं या वे यह दावा करें कि उन्होंने कभी रिश्वत नहीं ली है, या उन्होंने कभी टैक्स-चोरी नहीं की है या पैसे की अफरा-तफरी नहीं की है। ऐसा दावा करते हुए तो हमने किसी भी पार्टी के एक भी नेता को नहीं सुना है। हाँ, सिर्फ विरोधी नेताओं को सरकारें अपने दांव में फंसा लेती हैं। आज भाजपा अपने विरोधियों- कांग्रेसियों, आपियों, बसपाइयों और समाजवादियों- को अपने जाल में फंसा रही है तो कल जब सत्ता बदलेगी तो ये सब मिलकर क्या भाजपाइयों के लिए लंबा-चैड़ा जाल नहीं बिछा देंगे? क्या इससे भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी? नहीं, बिल्कुल नहीं। अपने विरोधियों पर छापे मारने के पहले यदि कोई प्रधानमंत्री अपने समर्थकों पर छापे डलवा दे तो वह असली सफाई कहलाएगी। दूसरों का घर साफ़ करने के पहले यदि अपना घर साफ़ न करें तो लोग आपकी मजाक उड़ाए बिना नहीं रहेंगे। आपकी उस सफाई को लोग राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई समझेंगे। जनता में उसकी एकदम उल्टी प्रतिक्रिया भी हो सकती है। जनता उनके अपराध को अनदेखा कर देगी और उनके लिए सहानुभूति के बादल बरस पड़ेंगे जैसे कि चरणसिंह द्वारा इंदिरा गांधी की गिरफ्तारी पर बरसे थे।

वेद प्रताप वैदिक

> मोदी सरकार की देश की सेवा और समर्पण के रास्ते गरीब कल्याण की भावना के साथ अपने संकल्प को सिद्ध करने के आठ वर्षों में देश को नई ऊर्जा, विश्व स्तर पर एक नई पहचान मिली है और जनता में स्वाभिमान की भावना जागी है। सबके प्रयास से भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने की दिशा में अग्रसर हैं।

सेवा, समर्पण, कल्याण के भाव से सामाजिक न्याय की सिद्धि

डॉ. रमन सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री-छत्तीसगढ़ शासन एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने 8 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस सरकार का आरंभिक मूल मंत्र रहा, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। इन आठ वर्षों में केंद्र सरकार ने देश के प्रत्येक वर्ग, क्षेत्र और समाज को सशक्त बनाने की दिशा में बुनियादी कार्य किए हैं और उनके विकास को सुनिश्चित किया है। 2014 में प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी सम्हालने के बाद नरेंद्र मोदी जी ने अपनी हर नीति निर्माण और उसके क्रियान्वयन में देश 'प्रथम' के संकल्प पर कायम रहे हैं। पहले जिन मसलों को सुलझाना असंभव माना जाता था, उन्हें संवैधानिक प्रक्रिया से आसानी से सुलझा लेना भी मोदी सरकार के बेमिसाल आठ साल की बड़ी उपलब्धि रही है।

वैसे तो मोदी सरकार ने नारी शक्ति को सशक्त करने से लेकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और डिजिटल इंडिया से गरीब कल्याण तक हर वर्ग के उत्थान के लिए संचालित किया है जिसके सार्थक परिणाम भी देखने को मिल रहा है। भारत अभी भी गांव में बसता है, वन क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय समुदाय और ग्राम समाज अभी भी अपनी आजीविका के लिए कृषि और वनोपज पर निर्भर है। कृषि क्षेत्र में सुधार की दृष्टि पूर्व की सरकारों की नहीं रही, तभी तो देश की पहली कृषि नीति पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपयी जी के कार्यकाल में वर्ष 2000 में बनी। उनके सपनों को आगे बढ़ाने के लिए 2014 के बाद नरेंद्र मोदी की सरकार ने एक संकल्प लिया, जिसमें एक ओर कृषि लागत को कम करने के लिए योजनाएं संचालित की जा रही है, वहीं दूसरी ओर किसानों की उपज का अधिकाधिक मूल्य दिलाने के लिए स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश को लागू किया गया है। लागत के ढाई गुना समर्थन मूल्य देने का निर्णय लिया गया और 2014 में धान का समर्थन मूल्य ?1460 था जो 2022 में ?1940 हो चुका है। पिछले छह वर्षों में धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 43 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। मोदी सरकार लगातार किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य लेकर काम कर रही है, इसके तहत खेती में लागत कम करने के प्रयास किए जा रहे, जैसे मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी कर आवश्यकतानुसार खाद के उपयोग करने की प्रेरणा किसानों को दी जा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से एक न्यूनतम ? 6,000 प्रतिवर्ष किसानों के खाते में नकद हस्तांतरित किया जा रहा है। मोदी सरकार कृषि क्षेत्र में बीज से लेकर बाजार तक किसानों के साथ खड़ी है। किसानों को राष्ट्रीय स्तर पर बाजारों से जोड़ा गया है ताकि उपज का बेहतर मूल्य मिले, मेगा फूड पार्क की स्थापना पर बल दिया गया है, 2014 में मात्र 2 मेगा फूड पार्क थे जो 2022 में बढ़कर 22 हो गए हैं। किसानों की आय बढ़ाने, बंजर भूमि पर सोलर पैनल लगाने को प्रोत्साहित किया जा रहा है, दुग्ध और मछली उत्पादन में वृद्धि करने पर फोकस किया जा रहा है। नीली क्रांति को बढ़ावा देने के लिए मछली विभाग की स्थापना की गई है। यह उपाय किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं जिसका परिणाम अधिक उत्पादन और विदेशों में कृषि उत्पादों के निर्यात में बढ़त के रूप में है ।

कृषि के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के महत्वपूर्ण कदम उठाए गए । योजनाएं और कार्यक्रम तो सरकारें पहले भी बनाती थी लेकिन मोदी सरकार ने योजनाओं को जमीन पर उतारने में जो तत्परता दिखाई, उससे लाभार्थियों का कल्याण हुआ। जनधन योजना के माध्यम से 45 करोड़ से अधिक गरीबों के खाते खोले गए जिनमें सरकारी योजनाओं की राशि सीधे उनके खातों में डाली गई । इस कदम से भ्रष्ट व्यवस्था को दुरुस्त कर 2020 तक 1.7 लाख करोड़ की राशि की बचत हुई। उज्ज्वला योजना के जरिए माताओं बहनों को रसोई के धुएं से होने वाली श्वांस और आंखों की तकलीफ से राहत देने का काम हुआ। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना ने 2.3 करोड़ गरीबों को छत देने के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त किया। कोविड के संकट काल में जब रोजगार छीन गया, गांव और गरीबों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई, मोदी सरकार ने गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से 80 करोड़ जरूरतमंदों तक नि:शुल्क अनाज प्रदान किया ।

मोदी सरकार की योजनाओं के लाभार्थी ज्यादातर वंचित समाज रहे, प्रधानमंत्री किसान योजना के 63 प्रतिशत लाभार्थी अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के किसान रहे। इसी प्रकार 70 प्रतिशत प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से लाभ प्राप्त करने वाले वंचित समाज के हैं। मोदी सरकार में अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला, पिछड़े वर्ग को मेडिकल शिक्षण संस्थानों में अखिल भारतीय कोटा की सीटों पर आरक्षण कम दिया गया। बना साहेब भीमराव अंबेडकर के नाम पर राजनीति करने वाले तो बहुत मिले लेकिन नरेंद्र मोदी की पिछले आठ सालों के शासनकाल में बाबा साहेब के जीवन से जुड़े प्रमुख पांच स्थलों को पंचतीर्थ बनाकर उनका विकास किया गया। अब जनजातीय समाज के गौरव भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मानने का निर्णय लिया गया है। भारत जब स्वाधीनता के 75 वर्ष को अमृत महोत्सव के रूप में माना रहा है तो स्वतंत्रता के संघर्ष में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सेनानियों शहीदों की स्मृति में संग्रहालयों का निर्माण किया जा रहा है ।

जब सरकार कोई नारा देती है तो वह केवल उद्घोष करने के लिए नहीं होते, मोदी सरकार में वे नारे ही शासन के संकल्प हैं जिन्हें सिद्ध करने के लिए पूरी सरकार और प्रशासन तंत्र निरंतर अथक प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार की देश की सेवा और समर्पण के रास्ते गरीब कल्याण की भावना के साथ अपने संकल्प को सिद्ध करने के आठ वर्षों में देश को नई ऊर्जा, विश्व स्तर पर एक नई पहचान मिली है और जनता में स्वाभिमान की भावना जागी है। सबके प्रयास से भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने की दिशा में अग्रसर हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अभी चूक गए तो फिर न कर पाएंगे महासागर उद्धार

अनिता भटनागर जैन, पूर्व आईएएस अधिकारी

पिछले दिनों की कुछ खबरों को देखिए- सुंदरवन में मौनी टापू में 64 हेक्टेयर भूमि समुद्र में डूब चुकी है और अन्य कई टापू धंस रहे हैं; अप्रैल 2022 में अंटार्कटिका में 'हीटवेव' आई और -51 डिग्री सेंटीग्रेड के स्थान पर तापमान सामान्य से 40 डिग्री अधिक रहा; केवल अंटार्कटिका में गत 18 वर्षों से प्रत्येक साल 149 अरब टन बर्फ विलुप्त हो रही है; समुद्र से पैदा नमक में प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण मिले, आदि। क्या इन समाचारों का असर हमारे जीवन पर भी है?

हमारे स्वास्थ्य का सीधा संबंध पृथ्वी और समुद्रों के स्वास्थ्य से है। पृथ्वी पर 70 फीसदी से अधिक ऑक्सीजन समुद्री पौधों व जीव-जंतुओं से प्राप्त होती है। जलवायु की दृष्टि से समुद्रों की अहम भूमिका है, क्योंकि पृथ्वी के वातावरण की 93 फीसदी ऊष्मा वही सोखते हैं। हिंदू पुराणों में तो वरुण समुद्र के देवता हैं, और समुद्र मंथन से ही अमृत का घड़ा प्रकट हुआ है, यानी समुद्र जीवन और अमरत्व के भी स्रोत हैं। इस लिहाज से विश्व महासागर दिवस की प्रासंगिकता काफी बढ़ गई है।

इस दिवस की अवधारणा सर्वप्रथम 1992 में 'अर्थ समिट' ब्राजील में की गई थी। इस साल इसका संदेश 'पुनरुद्धार : महासागरों के लिए सामूहिक प्रयास' है। इस दिवस का महत्व कदाचित 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के समीप होने के कारण पता नहीं चलता। जब महासागर स्वस्थ नहीं होंगे, तो पर्यावरण स्वस्थ कैसे होगा, क्योंकि पृथ्वी का 70 प्रतिशत क्षेत्रफल समुद्र है और 94 फीसदी जीवित प्रजातियां जल में पाई जाती हैं। वर्तमान में विश्व की 40 प्रतिशत आबादी समुद्र तट से 100 किलोमीटर के दायरे में निवास करती है। भारत में भी 14.2 प्रतिशत आबादी समुद्रों के समीप रहती है।

ऐसे में यह चिंताजनक है कि 'पर्यावरण आपदा' अब वास्तविकता में बदल चुकी है। महासागरों की स्थिति भयावह है। तापमान की चिंताजनक बढ़ोतरी और 'मरीन हीटवेव' के कारण पानी में ऑक्सीजन की कमी होने से समुद्री जीव-जंतुओं की संख्या में अप्रत्याशित कमी आ गई है। अधिक फिशिंग के कारण मछली पालन के 80 फीसदी क्षेत्रों का अत्यधिक दोहन हो चुका है। 29 प्रतिशत मछलियों व सी-फूड की प्रजातियों की संख्या 90 फीसदी तक समाप्त हो चुकी है। लिहाज आजीविका, भोजन, स्वास्थ्य, जैव-विविधता आदि सभी पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। महासागरों में अनेक उद्योगों, पानी के जहाजों, सीवेज प्लांट आदि का विषाक्त कूड़ा जा रहा है। विश्व का 90 फीसदी व्यापार पानी के जहाजों के माध्यम से होता है। समुद्र का तापमान बढ़ने से समुद्री तूफानों में वृद्धि हुई है। 80 वर्षों में समुद्रों का जलस्तर जितना बढ़ना था, उतनी वृद्धि 20 वर्षों में ही हो गई। मनुष्यों, पौधों, पशु-पक्षियों, मछलियों के निवास स्थान तेजी से घट रहे हैं। इसी तरह, अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2050 में समुद्रों में मछलियों से कहीं अधिक मात्रा में प्लास्टिक का कूड़ा होगा। प्रत्येक वर्ष 80 लाख मीट्रिक टन प्लास्टिक का कूड़ा समुद्रों में जाता है।

हममें से जो लोग समुद्र के किनारे नहीं रहते, उन्हें यह भ्रांति है कि समुद्रों का संरक्षण और उनका प्रदूषण केवल तटीय इलाकों में रहने वालों से जुड़ा है। 80 प्रतिशत समुद्री प्रदूषण जमीन से प्रारंभ होता है। हम जो कुछ भी नदी में प्रवाहित कर रहे हैं, वह किसी न किसी तरह से समुद्र में ही जा रहा है। पर्यावरण और समुद्र किसी की सरहद नहीं हैं। सब एक-दूसरे से मिले हुए हैं। जाहिर है, समुद्रों की सुरक्षा के लिए विविध तरह के प्रयासों की आवश्यकता है। जीवाश्म ईंधन का कम व अक्षय ऊर्जा का अधिक उपयोग, अंतरराष्ट्रीय जल परिवहन का 'डीकार्बोनाइजेशन' (कार्बन की कमी), मैन्ग्रोव संरक्षण, समुद्रों के योगदान के आकलन के लिए लेखा-जोखा और गैर-तटीय क्षेत्रों के प्रदूषण पर अंकुश आदि जरूरी है। गैर-कानूनी, अनियंत्रित, विध्वंसक मछली पकड़ने के तरीकों पर भी नियंत्रण रखना आवश्यक है।

महासागरों के पुनरुद्धार का उत्तर सीधा है। कार्य बेशक जटिल है, पर असंभव नहीं। औसत मनुष्य का 'कार्बन फुटप्रिंट' कम हो। प्रत्येक व्यक्ति 'रिड्यूस', 'रीयूज', 'रीसाइकिल' (जो वास्तव में नगण्य है) से आगे जाकर 'रिफ्यूज', यानी जिस वस्तु की आवश्यकता नहीं, उसके लिए मना करे, तो हर प्रकार के संसाधन व प्रदूषण पर प्रभाव पड़ेगा। समुद्री तटों को साफ रखने और अपना कूड़ा समुद्र में न फेंकने से अनेक जीव-जंतुओं को बचाया जा सकता है। हमें यह समझना होगा कि समुद्र, जलवायु, भविष्य, सब आपस में जुड़े हुए हैं। हमारी यह आखिरी पीढ़ी है, जो महासागरों का उद्धार कर सकती है, अन्यथा मानव जाति के स्वस्थ भविष्य को बचाने का समय तेजी से खत्म हो रहा है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

मुझसे क्यूं रूठे हो? मैंने तो सिर्फ,
तुमसे प्यार कर
सीने से लगाया,
फिर, क्यूं रूठे हो?

-अंजली जैन
7024460938

कांग्रेस बदलने को तैयार नहीं

अजीत द्विवेदी

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कांग्रेस के बारे में अपनी जो ताजा राय व्यक्त की है उसमें उन्होंने कहा है, 'कांग्रेस पार्टी सुधरती नहीं है, अपने तो डूब रही है हमको भी डुबा देगी। हम 10 साल में सिर्फ एक चुनाव हारे 2017 में। कांग्रेस ने हमारा ट्रैक रिकॉर्ड खराब कर दिया, इसलिए उसके बाद हमने उनसे हाथ जोड़ लिया कि इन लोगों के साथ कभी काम नहीं करेंगे'। सचमुच प्रशांत किशोर ने 2017 के बाद कांग्रेस के लिए काम नहीं किया। हालांकि वे कांग्रेस के साथ जुड़ने जरूर गए थे लेकिन वह एक अलग मामला है। वे चुनाव रणनीतिकार के तौर पर नहीं, बल्कि एक नेता के तौर पर कांग्रेस के साथ जुड़ कर उसमें संरचनात्मक बदलाव करके उसे भाजपा से मुकाबले के लिए तैयार करने के मकसद से गए थे। उनके कई बार प्रेजेंटेशन देने के बावजूद जब कांग्रेस उनकी शर्तों पर राजी नहीं हुई तो लगा कि कांग्रेस एक चुनाव रणनीतिकार के तौर पर तो उनकी सेवा लेना चाहती है लेकिन एक नेता के रूप में पार्टी में शामिल कर उन्हें अपने मन से हर काम करने की छूट नहीं देना चाहती।

कांग्रेस ने हालांकि प्रशांत किशोर के कुछ सुझावों पर उदयपुर के नव संकल्प शिविर में विचार किया और उनमें से कुछ पर अमल का फैसला भी किया। लेकिन नव संकल्प शिविर के बाद पिछले तीन हफ्ते में जो राजनीतिक घटनाक्रम हुए हैं उनसे ऐसा लग नहीं रहा है कि कांग्रेस इस बात को समझ पाई है कि उसके अंदर क्या कमी है और उसे क्या सुधार करना है। असल में कांग्रेस ने उदयपुर में अपनी कमियों पर चर्चा ही नहीं की। यह सोचा ही नहीं कि उसकी क्या कमजोरी है, जिसकी वजह से वह लगातार चुनाव हार रही है और जिसकी वजह से लगातार उसके नेता पार्टी छोड़ कर जा रहे हैं। तीन दिन तक पार्टी के शीर्ष नेता विचार करते रहे लेकिन हार पर चिंतन नहीं किया और न संगठन पर विचार हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव अगस्त में होना है। उसकी तैयारियों से भी पार्टी कोई राजनीतिक माहौल नहीं बना पाई है, जबकि भाजपा अध्यक्ष का चुनाव अगले साल होना है और उसने हर प्रदेश में लगातार कार्यसमिति का आयोजन करके राजनीतिक माहौल बनाया हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक हुई है। नव संकल्प शिविर के बाद जो सबसे बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम है वह राज्यसभा के दोवार्षिक चुनाव हैं। इन चुनावों के लिए कांग्रेस के उम्मीदवारों को देख कर भी साफ हो गया है कि कांग्रेस किसी हाल में नहीं बदल सकती है। कांग्रेस ने कुल 10 उम्मीदवार उतारे हैं लेकिन उनमें महाराष्ट्र के एक, राजस्थान के तीन, छत्तीसगढ़ के दो और हरियाणा के एक यानी सात उम्मीदवारों को लेकर राज्यों में जबरदस्त विरोध है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

सड़कों की गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं, काम नहीं कर रहे ठेकेदारों को बर्खास्त करें

जिले में मनरेगा में बेहतर कार्य हो रहा है- सिंहदेव

श्रीकंचपथ न्यूज

गरियाबंद। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा स्वास्थ्य मंत्री टी.एस सिंहदेव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक लेकर जिले में चल रहे योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कोरोना काल में मनरेगा के माध्यम से हुए उत्कृष्ट कार्यो की सराहना करते हुए जिला प्रशासन को बधाई दी।

बैठक में बिन्द्रानवागढ़ विधायक डमरूधर पुजारी, नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन,जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम, जिला पंचायत सदस्य मधुबाला रात्रे, लोकेश्वरी नेताम,फिरतुराम कंवर,एवं मिशन संचालक अवनिश शरण,जिला पंचायत सीईओ रोक्तिमा यादव तथा संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।मंत्री सिंहदेव ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना अंतर्गत किये जा रहे कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि मानव दिवस सृजन, वन अधिकार पत्र और कार्यरत मजदूरों की संख्या जिले में बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि नरवा विकास अंतर्गत बन रहे कार्यो में सिंचाई की व्यवस्था सुनिश्चित हो। ज्ञात है कि नरवा विकास अंतर्गत 79 डीपीआर तैयार कर लिया गया है। उन्होंने राष्ट्रीय आजीविका मिशन के कार्यो की समीक्षा करते हुए अलग-अलग गतिविधियों से जुड़े समूहों की संख्या को देखते हुए सराहना की। जिले में 33 हजार 540 परिवार कृषि कार्यों, 15732 पशुपालन, और गैर कृषि गतिविधियों में 6875 परिवार समूह के माध्यम से आजीविका अर्जन कर रहे है। उन्होंने महिला समूहों द्वारा बनाये गये बांस के फूल और गुलदस्ता की तारीफकी। सिंहदेव ने गौठानों में बारिश के दौरान वृहद वृक्षारोपण के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि फैंसिंग, बाउण्ड्रीवाल आदि जगहों पर मनरेगा से वृक्षारोपण कराना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाये गये मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए कार्य नहीं कर रहे ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड करने के निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि सड़कों की गुणवत्ता में समझौता नहीं किया जा सकता। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालयों के पूर्ण रूप से उपयोग और गौठानों में शौचालय बनाने के लिए प्रस्ताव देने के निर्देश दिये है।मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि 15वें वित्त आयोग अंतर्गत वहीं काम का चयन करे जो डीपीईपी के माध्यम से ग्राम पंचायतों द्वारा बने हो। सिंहदेव ने अधिकारियों को जनप्रतिनिधि के साथ समन्वय कर कार्य करने के निर्देश दिये है।

बॉक्स में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा स्वास्थ्य मंत्री टी.एस सिंहदेव के गरियाबंद दौरे के दौरान गरियाबंद जिले में देवभोग सुपेबेडा से हेलीकाफ्टर द्वारा जिला मुख्यालय पहुचे स्वास्थ्य मंत्री ने यंहा प्रेस वार्ता में पत्रकारों के प्रश्नों रूबरू होते हुए बताया कि अलग अलग दौरा करने का कारण है कि प्रदेश के कई मंत्री राज्य के दौरे पर है हम लोगो की समस्याओ को जानने और ज्यादा से ज्यादा लोगो से संपर्क करने प्रदेश के दौरे पर हैं।

सेंट थॉमस कॉलेज का एमओयू गतिविधि के तहत शासकीय दिग्विजय कॉलेज, में शैक्षणिक भ्रमण

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई। सेंट थॉमस कॉलेज का भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग छात्रों को लीक से हटकर सोचने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए हमेशा आगे रहता है। भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग अपने स्नातकोत्तर छात्रों के एक समूह के साथ दिग्विजय कॉलेज, राजनांदगांव की शैक्षणिक यात्रा के लिए गया था। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव के सहायक प्रोफेसर डॉ. एस.के. पटेल द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सेंट थॉमस कॉलेज, भिलाई और सरकार के एक संयुक्त उद्यम के तहत। दिग्विजय कॉलेज, राजनांदगांव ने एक एमओयू गतिविधि आयोजित की, जिस पर डॉ. एस के पटेल ने आईपीआर और मानव जाति में इसके महत्व पर शोध और शिक्षण नैतिकता पर एक व्याख्यान दिया। छात्रों ने परिसर का दौरा किया और कॉलेज के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्रों ने विभिन्न विभागों और प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया है। अंत में हसदेव बचाओ पर आधारित नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन भी दिग्विजय कॉलेज के स्नातकोत्तर के छात्रों द्वारा किया गया। अमित कुमार ताम्रकर, भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रभारी, श्रीमती तुलिका हर्षित, रोजन जॉय और एस के सिंह सेंट थॉमस कॉलेज भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के संकाय सदस्यों ने स्नातकोत्तर के 23 छात्रों के साथ दौरा किया।

महाविद्यालय के प्रशासक रेवरेंट फादर डॉ. जोशी वर्गीस और प्राचार्य डॉ. एम.जी.रोईमोन ने भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग एवम छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

खास खबर

प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना

रायपुर। आज प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पडने् की संभावना है। साथ ही प्रदेश में एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने तथा अंधड़ चलने की संभावना है। वहीं मौषम विभाग ने आज से अधिकतम तापमान में मामूली गिरावट होने की संभावना व्यक्त की है। मौषम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से रायलसीमा तक, 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। दूसरा द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से उत्तर बांग्लादेश तक बिहार, पश्चिम बंगाल के उप हिमालय क्षेत्र, सिक्किम होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। जिसके चलते प्रदेश में एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा अथवा गरज चमक के साथ छींटे पडने् की संभावना है।

संस्कार के बच्चों ने दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

रायगढ़। शहर की प्रतिष्ठित संस्था संस्कार पब्लिक स्कूल परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधे रोपे गए। बच्चों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें बच्चों ने अपने-अपने घरों से ही हिस्सा लिया और उसके फोटोग्राफ्स सोशल साइट्स में पोस्ट किए। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पेड़-पौधों का रूप धरकर पृथ्वी व पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया। स्कूल के मार्गदर्शक रामचंद्र शर्मा ने बताया कि हमारी संस्था में हर तीज-त्यौहार, महापुरुषों की जयंती के साथ महत्वपूर्ण दिवसों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। वर्तमान में ग्रीष्मकालीन अवकाश के कारण बच्चे स्कूल नहीं आ रहे हैं, इसलिए उनके लिए ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए गए। संबंध में पोस्टर व चित्रकला स्पर्धा आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने रंग भरते हुए पर्यावरण को स्वच्छ व सुंदर रखने का महत्वपूर्ण संदेश दिया।

कैंसर से जीत जंग, अब दूसरों को भी दे रहे इससे लड़ने की हिम्मत

श्रीकंचपथ न्यूज

जगदलपुर। कैंसर का नाम सुनते हैं तो हमारे दिमाग में एक ऐसी बीमारी की तस्वीर बन जाती है कि यह ठीक नहीं हो सकती है जबकि यह एक गलत धारणा है। खर्चीले इलाज से मरीज जीने की उम्मीद छोड़ने लगता है। लेकिन कई ऐसे लोग भी हैं जो इसका डटकर मुकाबला करते हैं और कम खर्च के इलाज से ही इसे हरा भी देते हैं। बीते दिनों महारानी अस्पताल में नेशनल कैंसर सर्वाइवर डे मनाया गया। जिसमें कैन्सर रोग से जंग जीतने वाले मरीजों ने अपनी संघर्ष की कहानी के बारे में जानकारी देते हुए अन्य लोगों को भी प्रेरित किया।

केस 1- बकावण्ड ब्लॉक के तारापुर ग्राम में रहने वाले 38 वर्षीय गंगाराम भारती जोकि एक किसान हैं उन्होंने बताया, 2 साल पहले वे आंखों में दर्द की समस्या से जूझ रहे थे, इसके इलाज के लिये रायपुर गए जहाँ उन्हें कैंसर रोग से ग्रसित होने के बारे में पता चला। शुरुआत में 3 महीने तक रायपुर में रहकर अपना इलाज करवाया, इस दौरान उनके पिताजी का देहांत हो गया। आर्थिक स्थिति भी ठीक नही थी ऐसे में आगे का इलाज कराना गंगाराम के लिये सम्भव नही था, इसलिये वे वापस अपने गांव आ गए। कुछ महीने तक शारीरिक पीड़ा और मानसिक रूप से घिरे रहने के कारण उन्होंने आगे अपना इलाज कराने का सोचा और अपनी जमीन बेचकर इलाज के लिये कुछ पैसे जमा किये। फिर वे बेहतर इलाज के लिये विशाखापत्तनम गए। विशाखापत्तनम में 2 कीमोथेरेपी करवा लेने के बाद एक मेडिकल वाले ने उन्हें जगदलपुर में, कैंसर के इलाज की सुविधा होने के बारे में जानकारी दी। तब उन्होंने बिना देरी किये जिला अस्पताल जगदलपुर में कैंसर से सम्बंधित डॉक्टर से सम्पर्क किया। अस्पताल के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ.बी.एल.शर्मा ने आश्वस्त किया कि उनका इलाज यहां भी सम्भव है। कुछ जरूरी जांच के पश्चात मुझे नि:शुल्क कीमोथेरेपी की सुविधा दी गयी जिसके बाद आज मैं पूर्णत: स्वस्थ हूँ। डॉक्टर की गहन देखरेख और प्रबल इच्छाशक्ति की बदौलत आज मैंने कैंसर से जंग जीत ली है, और अब कुछ परिचित लोग जो कैंसर का इलाज करवा रहे उन्हें भी हिम्मत देते हुए प्रेरित कर रहा हूँ।

केस 2-सुकमा जिले में रहने वाली 18 वर्षीय साक्षी कश्यप बताती हैं, लगभग 2 वर्ष पहले मेरे पेट मे तेज दर्द, शरीरिक कमजोरी, और लगातार बुखार होने के कारण मैं कई महीने तक बीमार रही। नजदीकी अस्पताल में डॉक्टर द्वारा रक्त की कमी का इलाज भी करवाया लेकिन स्वास्थ्य में सुधार नही हुआ। बार-बार शरीर मे रक्त की कमी हो जाने के कारण एक बार गम्भीर अवस्था मे महारानी अस्पताल जाना पड़ा जहां उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। प्रारम्भिक जांच के दौरान रक्त कैंसर के संकेत मिले थे।

डॉक्टर द्वारा बोन मैरो और अन्य प्रमुख जांच से शरीर मे इस बीमारी के होने के बारे में पता चला। आईसीयू में भर्ती रहने के दौरान गम्भीर अवस्था मे ही मेरा इलाज प्रारम्भ किया गया। इस बीच मुझे कोविड-19 का संक्रमण भी हुआ। किन्तु मैंने कोविड से भी जंग जीती साथ ही लगातार चले कैंसर के इलाज से आज मैं पूर्णत: स्वस्थ हूँ और अपनी पढ़ाई फिर से प्रारम्भ कर चुकी हूँ।

साक्षी ने आगे बताया, कैंसर जैसी बिमारी से लड़ने के लिए मानसिक तौर पर हिम्मत बनाए रखना सबसे अहम है। मेरे पूरे सफर में सबसे बड़ा फैक्टर यही रहा कि मैंने इस दौरान खुद को काफी स्ट्रॉन्ग रखा और पूरी कोशिश की कि इसके बारे में ज्यादा सोचूं नहीं।

कैंसर के इस पूरे सफर में घरवालों और मित्रों ने मेरा खूब साथ दिया। कैंसर एवं कीमोथेरेपी विशेषज्ञ डॉ.भँवर शर्मा ने बताया, महरानी अस्पताल जगदलपुर में कैंसर मरीजों के लिये डे केअर कीमोथैरेपी की सुविधा दीर्घायु वार्ड के माध्यम से पहले ही दी जा चुकी है। वर्तमान में कैंसर इलाज की सुविधाओं में विस्तार करते हुए, दीर्घायु वार्ड प्लस के नाम से स्माल बॉयोप्सी, सी.टी. गाइडेड जांच रेडियोलॉजिस्ट के साथ की जा रही है। भविष्य में पैलिएटिव केयर की सुविधा भी प्रारंभ की जाएगी। इसके अतिरिक्त कैंसर के आखिरी स्टेज से जूझ रहे मरीजों को दर्द कम करने की दवा देने व परामर्श के लिये पैलिएटिव केयर की सुविधा भी दी जा रही है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर त्वरित कार्यवाही : अस्तला कश्यप को मिला नया राशन कार्ड

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। कांकेर जिले के नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम शामतरा की श्रीमती अस्तला कश्यप अब बहुत खुश है, जिला प्रशासन कांकेर द्वारा उन्हें नया राशन कार्ड बनाकर दे दिया गया है, अब वह राशन की चिंता से मुक्त हो चुकी हैं।

नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम बादल में 05 जून को भेंट-मुलाकात कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक लिया जा रहा था, साथ ही ग्रामीणों की समस्या भी सुनी जा रही थी, उस समय अस्तला बाई कश्यप ने अपनी दुखड़ा सुनाते हुए कहा कि हम लोग पति-पत्नी अलग रह रहे हैं, हमारे पास राशन कार्ड नहीं है, जिससे हमें दिक्कत हो रही है, हमें राशन कार्ड दिलाया जाये। मुख्यमंत्री के पूछने पर उन्होंने बताया कि पहले हम संयुक्त परिवार में रहते थे, जिसमें सास-ससुर, जेठ-जेठानी और उनके दो बच्चे, इस प्रकार कुल आठ सदस्यों का परिवार था। अब हम लोग पति-पत्नी अलग रह रहे हैं तथा मजदूरी कर जीवन यापन कर रहे हैं। उनकी समस्या सुनकर मुख्यमंत्री बघेल ने श्रीमती अस्तला बाई और उनके पति बलराम कश्यप के नाम पर नया राशन कार्ड बनाने के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर त्वरित कार्यवाही करते हुए जिला प्रशासन द्वारा दूसरे दिन ही राशन कार्ड बनाकर हितग्राही को दे दिया गया है।

शासन की मंशा के अनुसार गौठानों को बनाएं ग्रामीण औद्योगिक पार्क - कलेक्टर

श्रीकंचपथ न्यूज

जगदलपुर। कलेक्टर रजत बंसल ने सोमवार को कृषि एवं सहयोगी विभागों की बैठक में गौठानों को शासन की मंशा के अनुसार ग्रामीण औद्योगिक पार्क के रुप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गौठानों में वर्मी कंपोस्ट और सुपर कंपोस्ट के निर्माण के साथ ही वहां मछली पालन, मुर्गीपालन, अण्डा उत्पादन, मशरुम उत्पादन, बकरी पालन, डेयरी, सुकर पालन, सब्जी बाड़ी, राईस मिल, तेल प्रसंस्करण आदि गतिविधियां प्रमुखता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित व्यास सहित कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछलीपालन, रेशमपालन, सहकारिता विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

उन्होंने सुरक्षा कैंपों की मांग की पूर्ति हेतु पर्याप्त मात्रा में मछली, अण्डा आदि का उत्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत अण्डों की आपूर्ति स्थानीय स्वसहायता समूह के माध्यम से करने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्रम-छात्रावास सहित शासकीय संस्थाओं में आवश्यकता अनुसार दैनिक उपयोग की सामग्री के क्रय हेतु स्थानीय स्वसहायता समूहों तैयार उत्पादों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पशुपालन विभाग में रिक्त पदों की पूर्ति के लिए कार्यवाही की धीमी गति पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए 15 जून तक भर्ती की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी गौठानों में बकरीपालन को बढ़ावा देने के लिए उन्नत नस्ल के बकरे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

आश्रम-छात्रावासों व स्कूलों में ताजी सब्जियों के लिए बाड़ी विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों को धान की फसल के स्थान पर रागी, कोदो-कुटकी सहित दलहन-तिलहन व फलदार पौधों के रोपण के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

किसानों को खरीफ फसल के लिए अल्पकालीन ऋण तथा खाद-बीज का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए बाजार में उपलब्ध खाद-बीज की गुणवत्ता पर निगरानी रखने तथा अमानक खाद-बीज के विक्रय पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कैट सीजी चैप्टर ने पर्यावरण संरक्षण पर परिचर्चा की

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि आज कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश कार्यालय में कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी की अध्यक्षयता में मिटिंग सम्पन्न हुई। मिटिंग में कैट सी.जी. चैप्टर ने व्यापारियों को एसएमई सर्वे फार्म भरने की जानकारी दी एवं पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा की ।

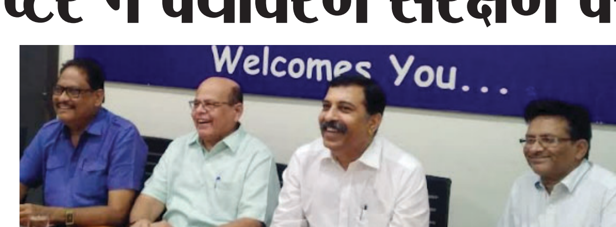

कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने कहा कि कैट देश के व्यापारियों के लिए समर्थन नीतियां बनाने के लिए सरकार के साथ बातचीत कर रही हैं।

कैट को सरकार को कुछ डेटा जमा करना है और ऐसे में सभी व्यापारियों से अनुरोध करते हैं कि कृपया https//cait.in/sme-survey-form/ लिंक पर क्लिक करें और फॅार्म भरकर जमा करे। उन्होनें व्यापारियों से इस फॅार्म को अपने विभिन्न समूहों और अन्य लोगों में भेजें और उनसे फॅार्म भरने का अनुरोध करें। यह सबसे महत्वपूर्ण है। फॅार्म भरने में आपके 5 मिनट लगेंगे लेकिन कृपया अपने हित और व्यापारिक समुदाय के बड़े हित में ऐसा ही करें। साथ ही उन्होनें सभी व्यापारियो से एमएसएमई मे उद्यम आधार पंजीयन करवाने की अपील की। कैट सी.जी. चैप्टर के पर्यावरण संयोजक मोहन वर्ल्यानी ने बताया की हमें पृथ्वी को प्रदूषित होने से बचाना चाहिए ।

हमे अपने व्यापार के साथ - साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए समय निकालकर अपने आने वाले भावी पीढ़ी के लिए शुद्व जल एवं आक्सीजन का पुख्ता इंतजाम करना चाहिए। वर्षा के लिए हमे बहुत अधिक पौधे रोपित किया जाना चाहिए एवं ज्यादा ऑक्सीजन देने वाले पौधों को रोपित किया जाना चाहिए जैसे 'पीपल, बरगद, नीम, अशोक, जामुन, तुलसी, बांस ' आदि को लगाने पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मिटिंग में कैट के पदाधिकारी एवं व्यापारीगण मुख्य रूप उपस्थित रहे :- अमर पारवानी, जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वासु माखीजा, सुरिन्दर सिंह, विजय शर्मा, सुनील धुप्पड़, सूरज उपाध्याय, प्रीतपाल सिंह बग्गा, महेश खिलोसिया, जयराम कुकरेजा, राजेश माखीजा, विजय जैन, सतीश श्रीवास्तव, मोहन वर्ल्यानी, मनोज अग्रवाल, इन्दर लाल धीरानी, टी. श्रीनिवास रेडडी, राजेश माखीजा, मोहन लाल जैन, विशाल जैन, श्याम माहेश्वरी, महेन्द्र बागडोरिया, अमर झामवानी एवं अतुल अग्रवाल, आदि।

गतिशक्ति परियोजना के क्रियान्वयन के लिए सशक्त समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के क्रियान्वयन हेतु मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना की राज्य स्तरीय सशक्त समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में छत्तीसगढ़ शासन एवं केन्द्र शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रदेश में औद्योगिक विकास हेतु अधोसंरचनाओं के समुचित विकास सहित अर्थव्यवस्था एवं उद्योगों की गति बढ़ाने और रोजगार के साधनों को बढ़ाने के लिए राज्य शासन के विभिन्न विभागों के समन्वय से की जा सकने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने गति शक्ति योजना हेतु राज्य शासन के विभिन्न विभागों से डाटा तैयार करने हेतु महत्वपूर्ण तथ्यों को सूचीबद्ध करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से योजना के संबंध में प्रशिक्षण एवं विभिन्न तकनीकी पहलुओं के संबंध में जानकारी ली। बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की सचिव श्रीमती आर. संगीता ने गति शक्ति योजना के विभिन्न तथ्यों की विस्तृत जानकारी दी। सीएसआईडीसी के अधिकारियों ने उद्योगों के लिए अधोसंरचना विकास के अंतर्गत फूड पार्क हेतु विभिन्न जिलों में विकसित की जा रही अधोसंरचनाओं की जानकारी दी गई। बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग के प्रमुख सचिव मनोज कुमार पिंगुआ भी मौजूद थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

कलेक्टर जनदर्शन में आए गैंदू राम को मिला निःशुल्क बैटरी चलित ट्रायसाइकिल

रायपुर। कलेक्टर जनदर्शन में बड़ा अशोक नगर रायपुर के निवासी दिव्यांग गैंदुराम ने कलेक्टर सौरभ कुमार को अपनी समस्या बताते हुए बैटरी चलित ट्रायसाइकिल दिलाने के लिए आवेदन दिया। गैंदु राम ने बताया की वह झाबक पैट्रोल पंप सरोरा रोड के पास पान ठेला की दुकान चलाते हैं, तथा उनका निवास अन्यत्र जगह है। उन्हें घर से दुकान तक आने जाने में बहुत ही परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा किसी अन्य व्यक्ति की रोज मदद लेना पड़ता है। कलेक्टर के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक भूपेंद्र पांडे एवं विभागीय अधिकारियों ने निःशुल्क बैटरी चलित ट्रायसाइकल उन्हें प्रदान किया तथा उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं दिव्यांगजनों के परिजन उपस्थित थे। गैंदू राम ने कलेक्टर, जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि अब उन्हें आने-जाने में किसी अन्य व्यक्ति का सहायता नहीं लेना पड़ेगा और नहीं कोई परेशानी होगी।

इम्युनिटी बढ़ाने में मददगार है आंवला

त्वचा और बालों के साथ ही सेहत के लिए भी लाभप्रद है आंवला का उपयोग

रायपुर। आयुर्वेद में आंवला को धात्री यानि धाय मां के समान पोषण प्रदान करने वाला कहा गया है। यह एक ऐसा फल है जिसके अनगिनत लाभ हैं। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है एवं अनेक रोगों के बचाव और उपचार में कारगर है। आंवला का उपयोग फल, मुरब्बा, अचार, शरबत, जूस और औषधि के रूप में किया जाता है। यह रसोई से लेकर उपचार के लिए बहु-उपयोगी है। शासकीय आयुर्वेदिक कालेज, रायपुर के सह-प्राध्यापक डॉ. संजय शुक्ला ने बताया कि आयुर्वेद पद्धति में आंवले का अवलेह और चूर्ण के रूप में औषधीय उपयोग है। यह स्वस्थ और दीर्घायु जीवन के लिए रसायन के तौर पर बुखार, सर्दी- खांसी और कुष्ठ रोग के उपचार में प्रयुक्त होता है। सुश्रुत संहिता में आंवला के औषधीय गुणों के बारे में बताया गया है। इसे अधोभागहर संशमन औषधि बताया गया है, यानि ऐसी औषधि जो शरीर के दोष को मल के द्वारा बाहर निकालने में मदद करता है। पेट से संबंधित रोगों जैसे अम्लपित्त, अपचन, कब्जियत और पीलिया के उपचार में आंवला का विभिन्न विधियों में उपयोग किया जाता है। आंवला में प्रचुर मात्रा में विटामिन-सी, आयरन, मिनरल और न्यूट्रिएन्ट्स होते हैं जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कुपोषण व एनीमिया दूर करने में सहायक होता है। नेत्र रोगों में आंवला भीगे पानी का बाह्य उपयोग तथा आंवला घृत का अभ्यांतर प्रयोग लाभकारी होता है।

छत्तीसगढ़ में 12 लाख संग्राहकों द्वारा 630 करोड़ रूपए का तेन्दूपत्ता संग्रहित

संग्राहकों को एक महीने में 300 करोड़ रूपए का भुगतान

गत वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक तेन्दूपत्ता का संग्रहण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में चालू वर्ष 2022 के दौरान अब तक 15 लाख 78 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हुआ है, जो लक्ष्य का 94 प्रतिशत से अधिक है। यह संग्रहण गत वर्ष की तुलना में लगभग 21 प्रतिशत अधिक है। इनमें तेन्दूपत्ता संग्राहकों को अब तक कुल भुगतान योग्य राशि 630 करोड़ रूपए की राशि में से एक महीने के भीतर ही लगभग 300 करोड़ रूपए की राशि का भुगतान हो चुका है। इसका संग्रहण 12 लाख से अधिक तेन्दूपत्ता संग्राहकों द्वारा किया गया है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में राज्य में तेन्दूपत्ता संग्रहाकों को उनके भुगतान योग्य राशि का भुगतान सुचारू रूप से जारी है। राज्य में तेंदूपत्ता संग्रहण से आदिवासी-वनवासी संग्राहकों को रोजगार के साथ-साथ आय का भरपूर लाभ मिलने लगा है।

राज्य लघु वनोपज संघ से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जगदलपुर वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल बीजापुर में 52 हजार संग्राहकों द्वारा 32 करोड़ रूपए के 80 हजार 324 मानक बोरा, सुकमा में 44 हजार संग्राहकों द्वारा 40 करोड़ रूपए के एक लाख मानक बोरा, दंतेवाड़ा में 20 हजार 323 संग्राहकों द्वारा 8 करोड़ रूपए के 19 हजार 408 मानक बोरा तथा जगदलपुर में 43 हजार 178 संग्राहकों द्वारा 6.56 करोड़ रूपए के 16 हजार 396 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

इसी तरह कांकेर वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल दक्षिण कोण्डागांव में 33 हजार 843 संग्राहकों द्वारा 6.93 करोड़ रूपए के 17 हजार 332 मानक बोरा, केशकाल में 35 हजार संग्राहकों द्वारा 10.45 करोड़ रूपए के 26 हजार 118 मानक बोरा, नारायणपुर में 16 हजार 738 संग्राहकों द्वारा 9.61 करोड़ रूपए के 24 हजार मानक बोरा, पूर्व भानुप्रतापपुर में 32 हजार संग्राहकों द्वारा 38.48 करोड़ रूपए के 96 हजार 195 मानक बोरा, पश्चिम भानुप्रतापपुर में 33 हजार संग्राहकों द्वारा 31.62 करोड़ रूपए के 79 हजार 058 मानक बोरा तथा कांकेर में 33 हजार 928 संग्राहकों द्वारा 14.82 करोड़ रूपए के 37 हजार 047 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

दुर्ग वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल राजनांदगांव में 49 हजार 402 संग्राहकों द्वारा 29.25 करोड़ रूपए के 73 हजार 133 मानक बोरा, खैरागढ़ में 27 हजार 552 संग्राहकों द्वारा 14.82 करोड़ रूपए के 37 हजार 053 मानक बोरा, बालोद में 22 हजार 315 संग्राहकों द्वारा 9.09 करोड़ रूपए के 22 हजार 719 मानक बोरा तथा कवर्धा में 31 हजार संग्राहकों द्वारा 16.67 करोड़ रूपए के 41 हजार 666 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण हुआ है। रायपुर वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल धमतरी में 27 हजार 568 संग्राहकों द्वारा 10.26 करोड़ रूपए के 25 हजार 666 मानक बोरा, गरियाबंद में 64 हजार 503 संग्राहकों द्वारा 33.10 करोड़ रूपए के 82 हजार 759 मानक बोरा, महासमुंद में 35 हजार 712 संग्राहकों द्वारा 33.42 करोड़ रूपए के 83 हजार 559 मानक बोरा तथा बलौदाबाजार में 20 हजार 792 संग्राहकों द्वारा 7.32 करोड़ रूपए के 22 हजार 320 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

बिलासपुर वनवृत्त के अंतर्गत अब तक वनमंडल बिलासपुर में 29 हजार 779 संग्राहकों द्वारा 12.06 करोड़ रूपए के 30 हजार 159 मानक बोरा, मरवाही में 30 हजार 458 संग्राहकों द्वारा 8.80 करोड़ रूपए के 22 हजार 700 मानक बोरा, जांजगीर-चांपा में 10 हजार 106 संग्राहकों द्वारा 3.23 करोड़ रूपए के 8 हजार 098 मानक बोरा, रायगढ़ में 39 हजार 422 संग्राहकों द्वारा 22.09 करोड़ रूपए के 55 हजार 230 मानक बोरा, धरमजयगढ़ में 46 हजार 063 संग्राहकों द्वारा 32.94 करोड़ रूपए के 82 हजार 351 मानक बोरा, कोरबा में 35 हजार 445 संग्राहकों द्वारा 21.03 करोड़ रूपए के 52 हजार 597 मानक बोरा तथा कटघोरा में 66 हजार संग्राहकों द्वारा 29.57 करोड़ रूपए के 73 हजार 929 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

इसी तरह सरगुजा वनवृत्त के अंतर्गत वनमंडल जशपुर में 36 हजार 187 संग्राहकों द्वारा 13.06 करोड़ रूपए के 32 हजार 664 मानक बोरा, मनेन्द्रगढ़ में 30 हजार 504 संग्राहकों द्वारा 17.96 करोड़ रूपए के 44 हजार 912 मानक बोरा, कोरिया में 25 हजार 305 संग्राहकों द्वारा 13.42 करोड़ रूपए के 33 हजार 553 मानक बोरा, सरगुजा में 40 हजार 771 संग्राहकों द्वारा 14.05 करोड़ रूपए के 35 हजार 145 मानक बोरा, बलरामपुर में 98 हजार 560 संग्राहकों द्वारा 56.71 करोड़ रूपए के एक लाख 41 हजार 767 तथा सूरजपुर में 54 हजार 355 संग्राहकों द्वारा 29.68 करोड़ रूपए के 74 हजार 212 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

स्टेनोग्राफर के लिए कौशल परीक्षा 18 और 19 जून को

सहायक ग्रेड-3 के लिए लिखित परीक्षा 26 जून को

रायपुर। जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव में रिक्त स्टेनोग्राफर हिन्दी एवं अंग्रेजी तथा कुटुम्ब न्यायालय में रिक्त स्टेनोग्राफर हिन्दी के पदों की भर्ती के लिए कौशल परीक्षा 18 और 19 जून को आयोजित की गई है। साथ ही रिक्त सहायक ग्रेड-3 के पदों की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 26 जून को आयोजित होगी। पात्र उम्मीद्वारों के प्रवेश पत्र कार्यालय की वेबसाईट में अपलोड कर दिए गए हैं। कौशल और लिखित परीक्षा के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देशों के लिए जिला एवं सत्र न्यायालय की वेबसाईट https://districts.ecourts.gov.in/rajnandgoan का अवलोकन किया जा सकता है।

पीएटी, पीव्हीपीटी प्रवेश परीक्षा में 70.95 अभ्यर्थी परीक्षा में हुए शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल द्वारा 5 जून को पीएटी और पीव्हीपीटी प्रवेश परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। पीएटी और पीव्हीपीटी परीक्षा हेतु 46 हजार 485 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराए था। इसके लिए प्रदेश के सभी 28 जिलों में 153 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा में 32 हजार 979 अभ्यर्थी शामिल हुए। इसका प्रतिशत 70.95 रहा। 13 हजार 506 अभ्यर्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे।

विकास प्रदर्शनीः छत्तीसगढ़ में मजबूत होती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी एवं जन कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धि के प्रचार-प्रसार के लिए जनसंपर्क विभाग द्वारा लगायी गई विकास प्रदर्शनी से लोगों को सहजता से उपयोगी जानकारी उपलब्ध हो रही है। 21 मई से 22 जून तक चलने वाली इस विकास प्रदर्शनी में लोक कल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को फोटो एवं ऑडियो-वीडियो के माध्यम से लोगों को जानकारी दी जा रही है। जिसे देखने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक सहित सभी आयु वर्ग के लोग आ रहे हैं।

इसी कड़ी में विकास प्रदर्शनी को देखने आज रायगढ़ जिले के ग्राम तमनार, बरपाली, जोबरो, रुचिदा, गुडेली, टिमरलगा, सरिया नगर पंचायत सहित विभिन्न ग्रामों के जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन पहुंचे थे। सभी जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया और सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। ग्रामीणों ने छत्तीसगढ़ में विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे नवाचार को सराहा है।

इसी तरह राजनांदगांव जिले से आए सुश्री पूर्णिमा सेन, सुश्री यसु मंडावी, सुश्री गुंजा साहू और नागपुर महाराष्ट्र की सुश्री आकांक्षा साहू ने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की। डूमर तालाब निवासी आरएन निषाद और कुशालपुर रायपुर निवासी रविशंकर साहू ने प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान उन्होंने बताया कि राज्य की महत्वाकांक्षी योजनाओं से जहां ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है, ग्रामीणों के जीवन स्तर में बदलाव आया है, वहीं स्वामी आत्मानंद हिंदी-अंग्रेजी माध्यम स्कूल से शिक्षा का स्तर भी बेहतर हो रही है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 21 मई को इसका शुभारंभ किया था। विकास प्रदर्शनी में आने वाले लोगों के लिए यह स्थल सेल्फी जोन बन गया है। विकास प्रदर्शनी में आने वाले लोगों को जन कल्याणकारी योजनाओं और विगत साढ़े तीन साल के विकास कार्यों पर आधारित उपयोगी प्रकाशन सामग्री का भी वितरण किया जा रहा है।

पशुओं से फसलों को बचाने इस वर्ष भी आयोजित होगा 'रोका-छेका' कार्यक्रम

गौठानों में पशुओं के प्रबंधन और रख-रखाव की होगी उचित व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ के गांवों में आगामी फसल बुआई के पूर्व खुले में चराई करने वाले पशुओं से फसलों को बचाने के लिए इस वर्ष भी ''रोका-छेका'' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश के सभी कलेक्टरों और जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को छत्तीसगढ़ की रोका-छेका प्रथा के अनुरूप गौठानों में पशुओं के प्रबंधन व रख-रखाव की उचित व्यवस्था करने, पशुपालकों और किसानों को अपने पशुओं को घरों में बांधकर रखने के लिए प्रोत्साहित करने तथा गांवों में पहटिया (चरवाहा) की व्यवस्था करने के संबंध में 20 जून तक ग्राम स्तर पर बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर गांवों में ''रोका-छेका'' प्रथा को फिर से पुनर्जीवित किया गया है। इस वर्ष रोका-छेका कार्यक्रम का दूसरा वर्ष है। कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह द्वारा कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को रोका-छेका कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए सभी व्यवस्थाएं प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में आगामी फसल बुआई कार्य के पूर्व खुले में चराई कर रहे पशुओं के नियंत्रण हेतु ''रोका-छेका'' प्रथा प्रचलित है, जिसमें फसल बुआई को बढ़ावा देने तथा पशुओं के चरने से फसल को होने वाली हानि से बचाने के लिये पशुपालक तथा ग्रामवासियों द्वारा पशुओं को बांधकर रखने अथवा पहटिया (चरवाहा) की व्यवस्था इत्यादि कार्य किया जाता है। इस प्रयास से न सिर्फ कृषक शीघ्र बुआई कार्य संपादित कर पाते है अपितु द्वितीय फसल लेने हेतु प्रेरित होते है। कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि विगत वर्ष के भांति इस वर्ष भी रोका-छेका प्रथा के अनुसार सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए 20 जून तक ग्राम स्तर पर ग्राम सरपंच, पंच, जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीणजन की बैठक आयोजित की जाए। जिसमें पशुओं के नियंत्रण से फसल बचाव का निर्णय ग्राम सरपंच, पंच, जनप्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों के द्वारा लिया जाए। फसल को चराई से बचाने हेतु पशुओं को गौठान में नियमित रूप से लाये जाने के संबंध में प्रत्येक गौठान ग्राम में मुनादी करायी जाये।

''रोका-छेका'' प्रथा अंतर्गत गौठानों में पशुओं के प्रबंधन व रखरखाव की उचित व्यवस्था हेतु गौठान प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की जाए। ऐसे गौठान जो सकिय परिलक्षित नहीं हो रहे है, वहां आवश्यकतानुसार जिले के प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से समिति में संशोधन कर सदस्यों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

मिनी माईजिंग रेगुलेटरी कम्पलांस बर्डन क्रियान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग मंत्रालय से प्राप्त प्रस्ताव के तहत मिनीमाईजिंग रेगुलेटरी कम्पलांस बर्डन योजनांतर्गत नागरिकों एवं व्यापार सेवाओं के संबंध में प्रचलित अधिनियम एवं नियमों के अनुपालन प्रावधानों का भार कम करने के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश हेतु कार्ययोजना बनाने हेतु गठित टास्क फोर्स समिति की बैठक मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के नियम अधिनियमों के सरलीकरण तथा आवश्यक संशोधन एवं विलोपन के प्रावधान सहित अन्य आवश्यक बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख सचिव मनोज पिंगुवा, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, राजस्व विभाग के सचिव एनएन एक्का, श्रम विभाग के सचिव अमृत कुमार खलखो सहित आवास पर्यावरण, वित्त, गृह, ऊर्जा, कृषि एवं नगरीय प्रशासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

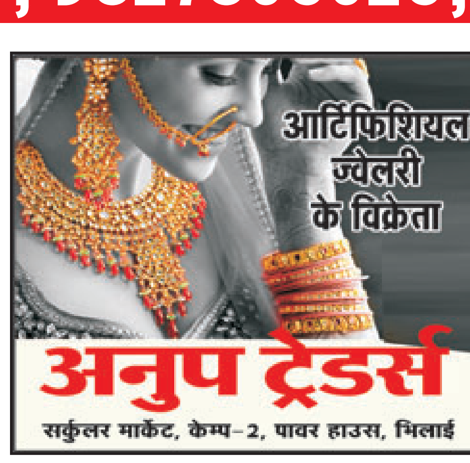

कपिल शर्मा के शो की जगह आएगा इंडियाज लाफ्टर चैंपियन शो की लांचिंग के समय भावुक हुईं अर्चना पूरन सिंह

कई सालों बाद टीवी की दुनिया में कॉमेडी चैंपियन ढूंढने वाले शो की वापसी हो रही है। कपिल शर्मा, भारती सिंह, सुनील पाल, एहसान कुरैशी जैसे कई कॉमेडियन इसी टैलेंट रियलिटी शो से मशहूर हुए हैं। सोनी चैनल पर कपिल शर्मा के शो की जगह पर अब कॉमेडी चैंपियन को ढूंढने नया शो 'इंडियाज लाफ्टर चैंपियन' आ रहा है, जिसकी शुरुआत 11 जून से हर शनिवार रविवार रात 8:30 से होगी। इस शो को शेखर सुमन और अर्चना पूरन सिंह जज कर रहे हैं। और शो की मेजबानी रोचेले राव कर रही हैं। शो की लांचिंग के दौरान इस शो में भाग ले रहे मुंबई के नितेश शेट्टी, प्रयागराज के राधेश्याम भारती, उज्जैन के हिमांशु भवंदर और मुंबई के बॉलीवुड बॉयज गौरव और केतन ने अपने चुटकुलों से लोगों का खूब मनोरंजन किया।

इस शो के लांचिंग के अवसर पर शेखर सुमन ने कहा, 'इस शो को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। यह एक ऐसा शो है जिसका उद्देश्य सारे गमों को भुलाकर हंसाना है। लोगों ने हंसाना छोड़ दिया है, लेकिन जिस चीज की कमी होती है। जब वह वापस आती है तो बहुत खुशी होती है। पिछले दो सालो से हम खुशियां भूल चुके थे। अब इंडियाज लाफ्टर चैंपियन के रूप में खुशियां फिर से आ रही है। जिंदगी की भाग दौड़ में हम खुश रहना भूल गए हैं। हमारे पास पैसा,गाड़ी बंगला सब कुछ है, लेकिन खुशी नहीं है।

अर्चना पूरन सिंह के बारे में शेखर सुमन ने कहा, ' 'अर्चना पूरन सिंह का नाम तो गिनीज बुक में दर्ज होना चाहिए। एक ही जगह बैठकर कर लोगों को हंसा रही हैं, नया शो आता है, नए सेट बनते हैं, लेकिन अर्चना की कुर्सी नहीं बदलती है। उनको कहीं काम मांगने भी नहीं जाना पड़ता है, लोग खुद उनके पास चलकर आते हैं। वह बहुत ही जिंदादिल इंसान है, वह दूसरों को हंसाती हैं और अपने खुद के लिए भी हंसती हैं। हम लोग सेल्समैन हैं, घर घर जाकर खुशियां बेचते हैं। कोरोना को खुशी से डर लगता है, वह हमें दुख देने आया था। अब खुशी वापस आ गई है, अब कोरोना आएगा भी तो हमारी खुशियों से डर के भाग जाएगा।

अर्चना पूरन सिंह ने कहा, 'हमे तो हर हाल में हंसना पड़ता है। लेकिन हमारे हंसी के पीछे कभी कभी दर्द भी बहुत होता है, जो लोगों को नजर नहीं आता। वो कहते हैं न, शो मस्ट गो ऑन। कभी-कभी मजबूरी में भी आपको हंसना पड़ता है। यही तो कलाकार का जीवन है। आज भी उस घटना को जब याद करती हूं, तो मेरे आंखों में आंसू आ जाते हैं। जब मैं कॉमेडी सर्कस की शूटिंग कर रही थी, तब मेरी सासु मां बहुत बीमार थीं। उनका अंबानी अस्पताल में इलाज चल रहा था और मुझे शूटिंग पर जाना था। मैं शूटिंग पर गई और शाम तकरीबन शाम छह बजे मालूम पड़ा कि उनका देहांत हो गया। मैंने शूटिंग वालों को बोला कि मुझे तुरंत जाना होगा। मेरी मदर इन लॉ का देहांत हो गया है। उन्होंने कहा, मैम! आप 15 मिनट में फटाफट अपना रिएक्शन देकर जा सकती हैं। मेरे सारे रिएक्शन हंसने वाले होते थे। पंच, बड़ा पंच, छोटा पंच, छोटा लाफ्टर, मीडियम लाफ्टर, बड़ा लाफ्टर, ऐसा करके मैंने 15 मिनिट की शूटिंग की। उस वक्त जोर-जोर से हंस रही थी, जबकि मुझे अंदर से फूट-फूटकर रोना आ रहा था, पर रो भी नहीं सकती थी। मुझे सबसे ज्यादा मुश्किल समय यही लगा। लेकिन वह मेरी मजबूरी थी, भगवान ऐसी सिचुएशन में किसी को न डालें।

अर्चना पूरन सिंह की बात सुनकर शेखर सुमन भी खुद को नहीं रोक पाए। उन्होंने कहा, ' 'लोग हमारी हंसी देखते हैं, लेकिन हमारे पीछे के दुख को नहीं देखते। या देखते भी हैं तो उसे समझने की कोशिश नहीं करते, क्योंकि यहां किसी को किसी के बारे में सोचने समझने का समय नहीं है। लोग दूसरे के दुख को बांटने की कोशिश नहीं करते। मेरे बड़े बेटे आयुष को एंडोकार्डियल फाइब्रोएलस्टोस नाम की रेयर हार्ट की बीमारी थी, जिसके कारण उसकी 11 साल की उम्र में मौत हो गई। उसकी मौत से मैं टूट गया था, उस सदमे से उबरने में मुझे काफी वक्त लगा, धीरे-धीरे गाड़ी पटरी पर आई। अब मैं कोशिश करता हूं कि ढेर सारी खुशियां बटोर कर लोगों में बांट दूं।

शिल्पा शेट्टी का विवादों से रहा है गहरा नाता, एक बार तो गैर जमानती वारंट हो गया था जारी

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी किसी पहचान की मोहताज नहीं है। 90 के दशक में वह शाहरुख खान, सलमान खान और अक्षय कुमार जैसे कई दिग्गज कलाकारों के साथ हिट फिल्में दे चुकी हैं। शिल्पा हर साल 8 जून का अपना जन्मदिन मनाती हैं। इस बार वह अपना 47वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। इस उम्र में भी वह अपनी फिनटेस और बोल्ड अंदाज से आज की अभिनेत्रियों को मात देती हैं। साल 1993 में बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली शिल्पा ने अपने एक्टिंग करियर में कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। शिल्पा केवल हिट फिल्मों की वजह से सुर्खियों में नहीं रहीं बल्कि कई विवादों की वजह से भी चर्चा के केंद्र में रहीं। आज उनके जन्मदिन पर हम आपको उनसे जुड़े कुछ विवादों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बोल्ड फोटोशूट से बढ़ीं मुश्किलें

साल 2006 में शिल्पा शेट्टी ने बोल्ड फोटोशूट कराया था। इस फोटोशूट पर उस समय खूब विवाद हुआ। यही नहीं यह मामला कोर्ट तक जा पहुंचा। मदुरै कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट तक जारी कर दिया था।

बिग ब्रदर विवाद

शिल्पा ने साल 2007 में सेलिब्रिटी बिग ब्रदर शो में हिस्सा लिया था। इस दौरान वह सुखियों में आ गई थीं। शो में उनकी को-कंटेस्टेंट रहीं जेड गुडी ने उनपर नस्लीय टिप्पणी कर दी थी, जिसके बाद जमकर विवाद शुरू हो गया था। बाद में मामला बढ़ता देख गुडी ने शिल्पा और भारतीय दर्शकों से माफी मांग ली थी।

साधु ने किया किस

साल 2009 में सखिगोपाल मंदिर में दर्शन करने गईं शिल्पा अचानक सुर्खियों में आ गईं थीं। दरअसल, मंदिर में एक साधु ने उनके गाल पर किस कर लिया था, जिसके बाद उनकी यह तस्वीर खूब वायरल हुई थी। इस फोटो के सामने आने के बाद शिल्पा ने लोगों को करारा जवाब दिया था। उन्होंने सवाल किया था कि क्या कोई पिता अपनी बेटी को किस नहीं कर सकते?

इस फिल्म में जल्द आएंगी नजर

वर्क फ्रंट की बात करें तो शिल्पा आखिरी बार फिल्म हंगामा 2 में नजर आई थीं। इस फिल्म में उन्होंने परेश रावल की पत्नी का किरदार निभाया था। कोरोना महामारी की वजह से यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज की गई थी। हालांकि लोगों को यह फिल्म कुछ खास पसंद नहीं आई थी। वहीं उनकी अपकमिंग फिल्म की बात करें तो शिल्पा जल्द ही 'निकम्मा' फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वह अभिमन्यू दसानी और शर्ली सेतिया के साथ अहम किरदार में दिखने वाली हैं।

अवरोध सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज, इस दिन से कर सकेंगे सोनी लिव पर स्ट्रीम

सोनी लिव पर जल्द प्रसारित होने वाली वेब सीरीज अवरोध सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इसका पहला सीजन राहुल सिंह और शिव अरूर की फेमस किताब इंडियाज मोस्ट फियरलेस के पहले चैप्टर पर आधारित था। वहीं सीजन 2 किताब के अध्याय 9 पर बनाया गया है। सीरीज के नए सीजन में बंगाली सिनेमा के स्टार अबीर चटर्जी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

अवरोध का ट्रेलर रिलीज

ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से अवरोध सीजन 2 का ट्रेलर साझा किया है। इसके साथ कैप्शन में लिखा, 'दुश्मन ने अंतिम घेराबंदी की योजना बनाई थी, लेकिन हमारे बहादुरों के लिए योजना नहीं बनाई थी! अवरोध सीजन 24 जून से स्ट्रीमिंग, केवल सोनी लिव पर।'

ट्रेलर की शुरुआत अहाना कुमरा द्वारा अमृतसर के एक स्थानीय नेता को नफरत फैलाने और लोगों को 80 के दशक की हिंसा की याद दिलाने के लिए 100 करोड़ रुपये की पेशकश से होती है। इसके बाद संजय सूरी जो इस सीरीज में पाकिस्तानी राजनेता की भूमिका में हैं, देश में नकली नोटों को फैलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था पर हमला करने की बात करते नजर आते हैं। इस अंतरराष्ट्रीय मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट के भंडाफोड़ की जिम्मेदारी प्रदीप भट्टाचार्य (अबीर चटर्जी) को दी जाती है।

रोल को लेकर अबीर चटर्जी ने कही ये बात

अवरोध 2 के बारे में बात करते हुए अबीर चटर्जी ने कहा, 'मैं उत्साहित हूं और सोनी लिव पर अवरोध 2 की स्ट्रीमिंग का इंतजार कर रहा हूं। इस तरह के लोकप्रिय शो में काम करना का अनुभव अद्भुत रहा। हिंदी सीरीज में डेब्यू के लिए मुझे इससे अच्छा प्रोजेक्ट नहीं मिल सकता था।' उन्होंने कहा कि इस सीरीज के जरिए लोगों को रोमांच, एक्शन और मनोरंजन का डबल डोज मिलेगा।

सम्राट पृथ्वीराजः फिल्म को उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स न मिलने पर सोनू सूद बोले-

महामारी के बाद चीजें काफी बदल गई हैं

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद की हालिया रिलीज फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाई नहीं कर पाई। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सोनू सूद ने इस बारे में बात की और फिल्म को उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स न मिलने के सवाल का भी जवाब दिया। सोनू ने इस फिल्म में चंदबरदाई का रोल प्ले किया है।

सोनू के लिए यह फिल्म है काफी स्पेशल

सोनू ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए बहुत स्पेशल है। मुझे इसमें एक शानदार रोल प्ले करने का मौका मिला है। इस फिल्म के जरिए लोगों ने मुझे काफी प्यार भी दिया है। मैं ऑडियंस का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने इसे इतना प्यार दिया।

सोनू ने फिल्म को उम्मीद के मुताबिक बिजनेस न मिलने पर की बात

सोनू ने आगे कहा, शायद इस फिल्म को उम्मीद के मुताबिक बिजनेस नहीं मिला, लेकिन हमें यह स्वीकारने की जरूरत है कि महामारी के बाद चीजें काफी बदल गई हैं। मैं तो कहूंगा कि मैं इससे खुश हूं कि जिस तरह लोगों ने अब तक प्यार बरसाया है, उसके लिए मैं उनका आभारी भी हूं।

बता दें फिल्म देखने के बाद लोग सोनू के परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। 300 करोड़ के मेगा बजट में बनी इस फिल्म ने तीसरे दिन (रविवार) 16.10 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। इससे पहले फिल्म ने ओपनिंग डे (शुक्रवार) पर 10.70 करोड़ और दूसरे दिन (शनिवार) 12.60 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

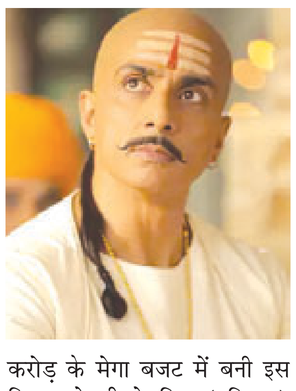

इस हिसाब से 3,750 से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज हुई फिल्म ने फर्स्ट वीकेंड, यानी 3 दिन में ही इंडिया से 39.40 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है। वहीं वर्ल्ड वाइड फिल्म ने 60 करोड़ से ज्यादा कमा लिए हैं।

इस फिल्म को डॉ चंद्र प्रकाश द्विवेदी ने डायरेक्ट किया है। इसमें सोनू के अलावा मानुषी छिल्लर, अक्षय कुमार, संजय दत्त, साक्षी तंवर, आशुतोष राणा, ललित तिवारी और मानव विज भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। सोनू अब बाबू योगेश्वर की तमिल फिल्म तमिलारासन में नजर आएंगे।

कॉमेडियन की हुई थी 4 बाईपास सर्जरी

सुनील ग्रोवर बोले-मेरा दिल वापस धड़क रहा है, सांस लेने में और भी ज्यादा मजा आ रहा है

एक्टर-कॉमेडियन सुनील ग्रोवर को इस साल की शुरुआत में 4 महीने पहले जनवरी में हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उनकी 4 बाईपास सर्जरी हुई थी। इसके बाद एक्टर को एक महीने का आराम दिया गया। फिर एक्टर ने 25 दिन बाद दोबारा काम पर वापसी की और अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स पूरे करना शुरू कर दिया। करीब डेढ़ महीने बाद उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'ब्लैकआउट' की शूटिंग शुरू की थी। जिसकी शूटिंग उन्होंने हाल ही में पूरी भी कर ली है। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में सुनील ग्रोवर ने कहा कि सर्जरी के बाद उन्हें नया जीवन मिला है। इतना ही नहीं सुनील को लगता है कि सर्जरी ने उन्हें और भी ज्यादा विनम्र बना दिया है।

मेरा दिल वापस धड़क रहा है, सांस लेने में मजा आ रहा है

सुनील ग्रोवर ने कहा, मेरा कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया था और मुझे हल्के लक्षण थे। बाद में मुझे बेचैनी होने लगी और मैंने अपने डॉक्टर को दिखाया। मुझे एक जांच करानी पड़ी, क्योंकि उन्हें मेरे दिल में कुछ परेशानी का संदेह था और फिर मेरी सर्जरी हुई। जो मेरे लिए अच्छा था। 44 साल के कॉमेडियन ने आगे कहा, मेरा दिल वापस धड़क रहा है और मुझे सांस लेने में और ज्यादा मजा आ रहा है। मैं अब खुद को पहले से अधिक स्वस्थ और एनर्जेटिक महसूस करता हूं। मैं ज्यादा फोकस्ड हूं, काम को ज्यादा महत्व देता हूं और सेट पर वापस जाने की जल्दी में रहता हूं।

आप खुशकिस्मत हैं, अगर आप स्वस्थ हैं

सुनील ग्रोवर ने शेयर करते हुए कहा कि कैसे इस घटना ने उन्हें कृतज्ञता के महत्व को जानने में मदद की है। सुनील ने कहा, मैंने अब महसूस किया है कि कृतज्ञता महत्वपूर्ण है। अगर आप जब चाहें पानी पी सकते हैं, तो आप भाग्यशाली हैं, अगर आप अपने बिस्तर पर अकेले बैठ सकते हैं, तो आप भाग्यशाली हैं, अगर आप बिना किसी की मदद के बाथरूम में चल सकते हैं, तो आप खुशकिस्ृमत हैं।

सुनील ग्रोवर आगे कहते हैं, काम शुरू हो गया है और सेट पर वापस लौटकर अब अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं अब खुद को पहले से अधिक स्वस्थ और एनर्जेटिक महसूस करता हूं। सुनील ने कहा कि जनवरी की इस घटना ने जिंदगी के प्रति उनका नजरिया बदल दिया। उन्होंने कहा, सर्जरी के 15 दिन बाद मैं बड़ा ही स्वीट हो गया, ऐसा लग रहा था कि सबकी रिस्पेक्ट करूं। जिंदगी में एहसानमंद होना चाहिए। मैं यह सब बदलाव महसूस कर रहा हूं और अब अंत तक ऐसा ही रहूंगा। उस घटना के बाद मैं पूरी तरह बदल गया हूं।

सुनील ग्रोवर छोटे पर्दे से दूर इन दिनों फिल्मों में बिजी हैं। हालांकि, वह यह भी कहते हैं कि उन्होंने टेलीविजन की दुनिया को नहीं छोड़ा है। इस बारे में ने कहा, मायने यह रखता है कि आप क्या कर रहे हैं, यहां किस मीडियम पर कर रहे हैं ये मायने नहीं रखता। यदि आप अपने काम को एंजॉय कर रहे हैं और लोग इसकी सराहना कर रहे हैं, तो फिर प्लेटफॉर्म मायने नहीं रखता।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Pankaj Mobile
Tata Play Connection Available
All Accessories & General Electricals Items
All Types Recharge & DTH, FastTag Recharge
Pankaj Umbre-
Mo.- 9993240894, 7987806710
Shop No.- 4, Jugnu Dera Complex, Adarsh Nagar, Potia Road, Durg (C.G.)

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI[th] XII[th] B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

कलश ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषण के निर्माता एवं विक्रेता
हमारे यहां उचित ब्याज पर गिरवी रखी जाती है।
देवांगन होटल के बाजू में, मुक्तिधाम रोड, रामनगर, भिलाई, जिला-दुर्ग
9074621825

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरन उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

सुपोषण के लिए हर परिवार को जाग्रत करें : कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने आज महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक लेकर जिले में चलाए जा रहे हैं, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान की समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि जिले में 16 मई से मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान चलाया जा रहा है। इसका अभी तक अपेक्षित परिणाम मिला हैं। आगामी 15 अगस्त तक जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए और अधिक सार्थकतापूर्वक अभियान को चलाये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केवल शासकीय प्रयास के साथ ही सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी की सहभागिता और जनजागरूकता की विशेष जरूरत है। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, आम जनता और प्रत्येक परिवार के माता-पिता की सहभागिता सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने कहा हर परिवार को जाग्रत करें। परिवार के सदस्यों को बच्चे को कैसे स्वस्थ्य रखा जाए इस संबंध में चर्चा करें। स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह दें। कलेक्टर ने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग दोनों की महती जिम्मेदारी है।

144 लोगों को टेलीकंसल्टेशन से मिला स्वास्थ्य परामर्श

दुर्ग। 6 से 11 जून तक छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर टेलीकंसल्टेशन सप्ताह आयोजित हो रहा है। इस हेतु दिनांकवार योजना बनाई गई है। इसी के तहत् आज विकासखण्ड पाटन के विभिन्न हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर (उप केंद्र) के माध्यम से 113 ग्रामीणों को उनके समीपस्थ स्थल में ही चिकित्सक एवं विषय विशेषज्ञों से टेलीकंसल्टेशन सुविधा से लाभान्वित किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन हब से डॉ आशीष शर्मा, डॉ आशिया परवीन, ज्योति वर्मा ने एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झीट हब से डॉ बी.कठौतिया ने ई संजीवनी टेलीकंसल्टेशन के माध्यम से विभिन्न रोगों की जांच, परामर्श आदि सेवाएं प्रदान की। जिला अस्साल दुर्ग हब से डॉ आकांक्षा दानी द्वारा परामर्श दिया गया। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर अमलेश्वर से सीएचओ जानकी साहू ने 12 ग्रामीणों, हेल्थ वेलनेस सेंटर चरोदा से सीएचओ सोशन फिलिप ने 10 ग्रामीणों , सांकरा से सीएचओ दिव्या सिंह ने 9 ग्रामीणों को टेलीकंसल्टेशन से लाभान्वित किया।

देश में बने अनेक जनजातीय परंपरागत कानून पर अनुसंधान की जरूरतः अमित शाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली (पीआईबी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा, केन्द्रीय विधि और न्याय मंत्री किरेन रिजीजू, जनजातीय कार्य राज्यमंत्री श्रीमती रेणुका सिंह सरुता और जनजातीय कार्य एवं जलशक्ति राज्यमंत्री विश्वेश्वर टुडु सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज का दिन पूरे देश, विशेषकर जनजातीय समाज, के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कल्पना के अनुसार आज ये राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान अस्तित्व में आ रहा है। देश में अनेक जनजातीय अनुसंधान संस्थान काम कर रहे हैं लेकिन जनजातीय समाज की अनेक विविधताओं को राष्ट्रीय रूप से जोड़ने वाली कड़ी नहीं थी और नरेन्द्र मोदी की कल्पना के अनुसार बन रहा ये संस्थान वो कड़ी बनेगा।

अमित शाह ने कहा कि आज़ादी के बाद पहली बार नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस मनाने की घोषणा भी की और मनाया भी। गुजरात के मुख्यमत्री रहते हुए मोदी ने जनजातीय समाज के समग्र विकास के लिए वनबंधु कल्याण योजना के रूप में एक ऐसी योजना शुरू की जिससे व्यक्ति, गाँव और क्षेत्र का समानांतर विकास हुआ। जब तक व्यक्ति, गांव और क्षेत्र का संपूर्ण विकास नहीं होता तब तक जनजातीय समाज का विकास नहीं हो सकता। इसके लिए मोदी ने पहली बार वनबंधु कल्याण योजना गुजरात में ज़मीन पर उतारी थी और आज़ादी के बाद पहली बार जनजातीय समाज को संविधानप्रदत्त अधिकार अगर की राज्य ने दिया तो वो नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात ने दिया। सबका, समावेशी और सर्वस्पर्शीय विकास को ध्यान में रखकर वनबंधु कल्याण योजना बनाई गई थी। अब मोदी ने राष्ट्रीय स्तर पर भी अनेक प्रकार की विविधता वाले इस देश के 8 प्रतिशत जनजातीय समाज के विकास को एकसूत्र में पिरोने के लिए इस संस्थान की कल्पना की थी।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जल, जंगल, ज़मीन, शिक्षा, स्वास्थ्य, कला, संस्कृति, भाषा, परंपरा से संबंधित देश में अनेक जनजातीय परंपरागत क़ानून बने हुए हैं जिनपर अनुसंधान की ज़रूरत है। इन क़ानूनों का वर्तमान क़ानून के साथ सामंजस्य किए बिना किसी भी जनजातीय कल्याण के क़ानून पर अमल नहीं हो सकता। इन सभी विषयों पर अनुसंधान राष्ट्रीय स्तर पर ही हो सकता है और उसे राष्ट्रीय मान्यता भी तभी मिलेगी। शाह ने कहा कि ये संस्थान विभिन्न विषयों पर अनुसंधान और उनका मूल्यांकन करेगा, कर्मचारियों का प्रशिक्षण और अन्य संस्थानों का क्षमता निर्माण करेगा, डेटा संग्रह भी करेगा और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अच्छी बातों का प्रचार-प्रसार भी करेगा। जनजातीय त्यौहारों को, उनकी मूल भावना को संजोए रखते हुए, आधुनिक स्वरूप देकर लोकप्रिय बनाने का काम भी करेगा।

मोदी द्वारा कल्पित जनजातीय संग्रहालयों की विविधता, रखरखाव पर भी काम करेगा। एक प्रकार से समग्र जनजातीय समाज के विकास का खाका खींचने का काम ये अनुसंधान संस्थान करेगा।

यूनिसेफऔर एस.सीआर.टी के सहयोग से पायलेट बेसिस पर राजनांदगांव और दंतेवाड़ा में संचालित होगा कार्यक्रम

मिडिल स्कूलों में जेण्डर असमानता दूर करने चलाया जाएगा कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूली बच्चों के मन में जेण्डर असमानता को मिटाने और उनमें आत्म सम्मान और शारीरिक आत्मविश्वास बढ़ाने और इससे जुड़े विभिन्न मुद्दों पर जानकारी साझा करने के लिए एक विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। यह कार्यक्रम पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में राज्य शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद और छत्तीसगढ़ में यूनिसेफके सहयोग से राजनांदगांव और दंतेवाड़ा में चलाया जाएगा। सेल्फ ईस्टीम एण्ड बॉडी कान्फिडेंस आफ स्टूडेंट नाम से चलाए जाने वाले इस कार्यक्रम में मिडिल स्कूल के बच्चों को इस कार्यक्रम के जरिए जेण्डर असमानता को दूर करने और अपने शारीरिक क्षमताओं और जेण्डर भेद के विभिन्न मुद्दों पर समझ विकसित करने के साथ साथ उनमें आत्म सम्मान और आत्मविश्वास विकसित करने संबंधी जानकारी दी जाएगी।

राज्य शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़ में यूनिसेफ के सहयोग से राजनाँदगांव और दंतेवाड़ा जिले के कक्षा 6 से कक्षा 8 के किशोर-किशोरी बालक एवं बालिकाओं हेतु Self-esteem and body confidence of Students विषय पर मास्टर ट्रेनर्स का चार दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण उपरांत राजनांदगांव और दंतेवाड़ा जिले के 13 ब्लॉक के 1015 शालाओं के 4241 शिक्षकों का प्रशिक्षण, 13 जून से प्रारंभ किया जायेगा। यूनिसेफ यह कार्यक्रम नदपसमअमत के साझेदारी के साथ छत्तीसगढ़ में संचालित कर रहा है। कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य किशोर-किशोरी बालक-बालिकाओं को जेण्डर असमानताओं, और शारीरिक क्षमताओं से संबंधित विषयों पर समझ विकसित करने के साथ ही छात्रों में आत्मविश्वास और क्षमता का निर्माण करना है।

प्रशिक्षण के शुभारंभ में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के डायरेक्टर राजेश सिंह राणा ने कहा कि, सामान्य तौर पर इस विषय पर प्रशिक्षण नहीं होता है। बच्चों को अपने अनुभव से ही इस तरह के विषयों को सीखना पड़ता है। अगर बच्चों से इन विषयों पर चर्चा की जाए तो बच्चों के अंदर सकारात्मकता का विकास होगा। एससीईआरटी ने यह विचार किया है कि 2 जिलों में इस प्रशिक्षण की सफलता के उपरांत इन विषयों को छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के शालाओं में लागू करेगा।

यूनिसेफ के राज्य प्रमुख श्री जॉब जकारिया ने कहा कि इस विषय पर यूनिसेफ भारत में 8 राज्यों के साथ प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक शोध से पता चलता है कि भारत में लगभग 78 प्रतिशत किशोरी बालिकाएं एवं 54 प्रतिशत बालक-बालिकाएं ऐसे हैं जो अपने शरीर की छवि से खुश नहीं है जिसे Body Image Dissatisfaction (शारीरिक छवि असंतोष) कहा जाता है। शारीरिक छवि को लेकर बच्चों में इस तरह की सोच न केवल उनके आत्म-सम्मान, मानसिक स्वास्थय बल्कि उनकी शिक्षा पर भी प्रभाव डालता है।

हमारे समाज में ऐसे बहुत सारी मान्यताएं हैं जो जेंडर भेद को बढ़ावा देती हैं जैसे केवल माता ही एक अच्छी रसोईया होती या माता ही बच्चों को स्नेह करती हैं जबकि एक पिता भी अच्छा खाना बना सकते हैं और वह भी बच्चों से उतना स्नेह कर सकते हैं जितना की एक माता। हमें समाज में इस तरह की जेंडर स्टेरियोटाइप रूढ़िबद्ध धारणा को भी बदलना आवश्यक है।

एससीईआरटी के अतिरिक्त संचालक डॉ. योगेश शिवहरे ने प्रशिक्षण में अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि शालाओं या महाविद्यालयों में अतिरिक्त विषयों को बालक एवं बालिकाओं हेतु अलग-अलग रखा जाता है जो कि जेंडर भेद को उजागर करता है। हमें इस तरह के जेंडर भेद को भी सुधारने की आवश्यकता है।

गतिशक्ति परियोजना के क्रियान्वयन हेतु सशक्त समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के क्रियान्वयन हेतु मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना की राज्य स्तरीय सशक्त समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन एवं केन्द्र शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रदेश में औद्योगिक विकास हेतु अधोसंरचनाओं के समुचित विकास सहित अर्थव्यवस्था एवं उद्योगों की गति बढ़ाने और रोजगार के साधनों को बढ़ाने के लिए राज्य शासन के विभिन्न विभागों के समन्वय से की जा सकने वाली गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने गति शक्ति योजना हेतु राज्य शासन के विभिन्न विभागों से डाटा तैयार करने हेतु महत्वपूर्ण तथ्यों को सूचीबद्ध करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से योजना के संबंध में प्रशिक्षण एवं विभिन्न तकनीकी पहलुओं के संबंध में जानकारी ली।

बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की सचिव श्रीमती आर. संगीता ने गति शक्ति योजना के विभिन्न तथ्यों की विस्तृत जानकारी दी। सीएसआईडीसी के अधिकारियों ने उद्योगों के लिए अधोसंरचना विकास के अंतर्गत फूड पार्क हेतु विभिन्न जिलों में विकसित की जा रही अधोसंरचनाओं की जानकारी दी गई। बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग के प्रमुख सचिव मनोज कुमार पिंगुआ भी मौजूद थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित इस बैठक में लोक निर्माण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, राजस्व विभाग के सचिव एन.एन.एक्का, प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम एवं संचालक नगर एवं ग्राम निवेश जय प्रकाश मौर्य सहित तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, ऊर्जा, वन, उद्योग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

केला तना से रेशा निर्माण यूनिट और दाल मिल प्रसंस्करण ईकाई का प्रभारी सचिव ने किया मुआयना

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। जिले के प्रभारी सचिव सुश्री रीता शांडिल्य ने आज एक दिवसीय बेमेतरा जिले के प्रवास के दौरान विकासखण्ड साजा के गौठान ग्राम राखी में संचालित केला तना रेशा निर्माण यूनिट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गौठानों को ग्रामीण आजीविका के ठौर (ठिया) के रुप में विकसित करने के लिए सुराजी गांव योजना के तहत हर संभव प्रयास किये जा रहे है।

प्रदेश के हर गौठान को रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। गौठान ग्राम राखी में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) से केला तना से रेशा निर्माण यूनिट की स्थापना की गई है।

जहां महिला स्व सहायता समूह की बहनें केला तना से रेशा निर्माण कर रही हैं, इसका उपयोग कर्टन (पर्दा), टेबल मेट, पेन स्टैण्ड, सजावटी बैग आदि वस्तुएं बनाई जा रही है। उन्होने महिला स्व सहायता समूह को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासो की सराहना की।

तत्पश्चात उन्होने दाल प्रसंस्करण ईकाइ ग्राम महीदही (भैंसामुड़ा) का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होने दाल मिल की क्षमता की जानकारी ली। कृषि विज्ञान केन्द्र ढोलिया के कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि दाल उत्पादन के लिए आवश्यक सामग्री सहकारी समिति मर्यादित साजा के किसान उत्पादक संगठन के कृषकों के माध्यम से तिवड़ा, चना, मसूर, अरहर का संग्रहण कर दाल निष्कासन कार्य किया जा रहा है।

इस प्रकार दाल प्रसंस्करण के साथ चुनी एवं भूसी भी पशुपालक कृषकों को उचित दर पर प्रदाया किया जा रहा है। प्रभारी सचिव सुश्री शांडिल्य ने दाल मिल में दाल के उत्पादन के पश्चात् कहां-कहां और किस माध्यम से निर्यात किया जा रहा है इसकी जानकारी ली। इस अवसर पर कलेक्टर श्री विलास भोसकर संदीपान, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती लीना मण्डावी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य परीक्षा में पोटिया स्कूल से 17 बच्चों का हुआ चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । धमधा विकासखंड में पोटिया स्कूल के 17 बच्चे एनएमएमएस परीक्षा (राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य परीक्षा) में चयनित होकर न केवल विद्यालय अपितु अपने गांव का नाम रोशन किया।

पोटिया स्कूल के शिक्षक पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में कु.मंजुषा डोंगरे एवं सुश्री रुक्मणी सोरी ने विद्यार्थियों कोरोना काल में मोहल्ला कक्षाओं एवं विद्यालय खुलने के पश्चात् अतिरिक्त कक्षाओं के द्वारा एनएमएमएस परीक्षा की तैयारी करवाई। बच्चों को विगत वर्षों के प्रश्नपत्र उपलब्ध कराकर अभ्यास करवाया गया ,साथ ही टॉपिक वाइस मिनी थियेटर एवं स्मार्ट क्लास के माध्यम से कक्षाएँ ली गई।

इस सफलता के लिए पूर्व माध्यमिक शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जीतेन्द्र देशमुख, प्राथमिक शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष भानुप्रताप साहू एवं माध्यमिक प्रधान पाठक श्रीमती दीपा आर्य, प्राथमिक प्रधान पाठक श्रीमती सरिता नेताम, शिक्षक चंद्रकात साहू ,शिक्षक प्रमोद साहू ने बच्चों को शुभकामनाएं दी।

156 आवेदनों का नगर निगम ने वार्डवार शिविर लगाकर स्थल पर ही किया निराकरण

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के शहरी गरीबी उपषमन विभाग की प्रभारी अधिकारी एवं उपायुक्त श्रीमती कृष्णा देवी खटीक ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत दिनांक 23 मई से 6 जून 2022 तक नगर पालिक निगम रायपुर के सभी 10 जोनों के समस्त 70 वार्डो में निराश्रित पेंषन योजनाओं राषन कार्ड एवं नल कनेक्षन से संबंधित आवेदन पत्र प्राप्त करने वार्डवार षिविर का आयोजन किया गया। समस्त 70 वार्डो में षिविर के माध्यम से निराश्रित पेंषन से संबंधित कुल 299 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिसमें 235 आवेदन पत्र निराकृत किये गये। शेष 64 आवेदनों का षिविर स्थल में ही पात्रता का परीक्षण कर नियमानुसार निराकरण किया गया। राषन कार्ड से संबंधित कुल प्राप्त 450 आवेदनों में से सभी 450 आवेदनों का शत प्रतिषत संख्या में षिविर स्थल पर ही निराकरण किया गया।

अरिहंत इंटेरियर्स
वॉलपेपर, वुडन फ्लोरिंग, पीवीसी फ्लोरिंग विंडोव ब्लाइंड्स, एक्रीलिक रेलिंग, आर्टिफिसियल ग्रास, पीवीसी पैनल, ग्लास फिल्म
शॉप नं.-23, नेहरू रोड, सुपेला, भिलाई, 9584400900

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame Mo-9893342971 7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing
Printer
Desktop
7/2, Dakshin Gangotri, Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

SAIRAM Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

महोबाबाजार में कार से मैनेजर को कुचलने वाली महिला गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी के कबीर नगर इलाके में बैंक मैनेजर को कार से कुचलने के मामले में पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज कर महिला को गिरफ्तार कर लिया है। महोबाबाजार स्थित चित्रकूट परिसर में रविवार की रात करीब 10 बजे घटना हुई थी। बताया जाता है कि मृणाल परगनिया बाहर कुर्सी पर घर के बाहर बैठे थे। वंदना उपवंशी कार से परिसर में प्रवेश कर रही थीं। वंदना की कार की रफ्तार अचानक तेज हो गई। मृणाल जब तक कुर्सी से उठते, तब तक कार की चपेट में आ गए। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। मृणाल कुछ महीने पहले ही कांकेर से ट्रांसफर होकर रायपुर आए थे। वह ग्रामीण बैंक में मैनेजर थे। हादसे में सुरक्षा गार्ड के पैर में भी चोट आई है। बता दें कि इस घटना को लेकर पूरे परिसर में खासा आक्रोश है। घटना के बाद आरोपित कार चालक, गाड़ी को छोड़कर फरार हो गई थी। पुलिस ने घटना की रात ही कार को जब्त कर लिया था। इस घटना के बाद ये मांग उठ रही है कि यातायात पुलिस को कालोनियों में वाहनों की गति पर नियंत्रण लगाने का प्रबंध करना चाहिए।

सूने मकान का ताला तोड़कर जेवर और नकदी पार

रायपुर (ए)। आमानाका थाना इलाके के एक सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया है। आमानाका थाने में पारा कर्मा मंदिर निवासी चंद्रिका साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने मायके अमलीडीह गई हुई थी। पांच जून को उनके पति घर में ताला लगाकर अमलीडीह आए थे। पति के साथ दूसरे दिन जब वह वापस लौटी तो घर का ताला और आलमारी का लाक टूटा हुआ था। आलमारी में रखे सोने एवं चांदी के जेवर, नकदी समेत 65 हजार गायब थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोबाइल चोरी के शक में नाबालिग को निर्वस्त्र कर बेरहमी से की पिटाई, बचने के लिए तीसरी मंजिल से लगा दी छलांग

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में मोबाइल चोरी के शक में एक नाबालिग को निर्वस्त्र कर बेरहमी से पिटाई और प्रताड़ना का मामला सामने आया है। पूछताछ से बचने के प्रयास में नाबालिग इमारत की तीसरी मंजिल से कूद गया। जिसमें नाबालिग बुरी तरह घायल हो गया। बताया जा रहा है कि उसकी पसली और नाक में चोट आई है। फिलहाल नाबालिग की हालत नाजुक बनी हुई है। हालांकि पुलिस ने नाबालिग की पिटाई करने वाले होटल संचालक से पूछताछ कर रही है।दरअसल, यह पूरा मामला राजधानी के गोल बाजार थाना क्षेत्र का है, जहां होटल सिटी पैलेस में संचालक ने मोबाइल चोरी के आरोप में एक नाबालिग को निर्वस्त्र कर बुरी तरह पिटाई कर दी। नाबालिग ने बचने के प्रयास में बिल्डिंग की तीसरी मंजिल से कूद गया। जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। उसे पसली और नाक में चोट आई है। बच्चे का इलाज अंबेडकर अस्पताल में चल रहा है। डाक्टरों के अनुसार नाबालिग की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही गोल बाजार थाना की पुलिस होटल संचालक को बुलाकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि होटल संचालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मार्निंग वाक करने गया युवक लूट का शिकार

भिलाई। छावनी थाना क्षेत्र स्थित शास्त्री नगर में मार्निंग वाक करने गया युवक लूट का शिकार हो गया। हालांकि घटना को अंजाम देने वाले सभी आरोपितों को उसने पहचान लिया हैं। रिपोर्ट पर छावनी पुलिस ने आरोपित थानू यादव, विजय मारकंडे, अर्जुन नेताम क खिलाफ धारा 394 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है। लाल बहादुर आटा चक्की के पास शास्त्री चौक शास्त्री नगर निवासी अनिश साहू (19 वर्ष) सुबह साढे 4 बजे मार्निंग वाक के लिए निकला। साहू मूगेड़ी के पास नहर के किनारे शास्त्री नगर में थानू यादव, विजय मारकंडे और अर्जुन नेताम ने उसका रास्ता रोक लिया। तीनों ने एक राय होकर गाली देते हुए कडा और चाकू से थानू यादव को डराते हुए मारने लगे। उसके सिर और चेहरे में चोट आई है। मारपीट के दौरान जबरन जेब में हाथ डालकर थानू ने मोबाइल फोन छीन लिया। तभी अनिश के दोस्त सुजय और अंकुर को आता देख तीनों वहां से भाग गए।

सनकी प्रेमी ने नाबालिग प्रेमिका का काटा सिर

ट्यूशन जाने के लिए निकली थी 17 साल की लड़की, एक तरफा प्यार में कुल्हाड़ी चलाई

बालोद (ए)। बालोद में मंगलवार सुबह एक युवक ने 17 साल की नाबालिग लड़की का सिर कुल्हाड़ी से काट दिया। लड़की ट्यूशन पढ़ने के लिए जा रही थी। इसी दौरान आरोपी ने उस पर हमला कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी युवक को पकड़ लिया है। बताया जा रहा है कि एक तरफा प्यार में सनकी आशिक ने वारदात की है। मामला बालोद थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, सांकरा (क) गांव निवासी भूमिका कोसरे (17) पुत्री घनश्याम कोसरे मंगलवार सुबह करीब 6 बजे ट्यूशन पढ़ने के लिए जा रही थी। इसी दौरान बरही गांव के रहने वाला रवि निषाद (32) ने उसे रोक लिया और कुल्हाड़ी से गर्दन पर वार कर दिया। इसके चलते भूमिका की मौके पर ही मौत हो गई। खून से लथपथ भावना के जमीन पर गिरते ही रवि भाग निकला।

पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा

इस दौरान ग्रामीणों ने रवि को हमला करते हुए देख लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं भाग रहे रवि को पुलिस ने घेराबंदी कर धर दबोचा। मौके से वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है। पूछताछ में पता चला है कि वह अक्सर ही छेड़खानी किया करता था, लेकिन भूमिका ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

अक्सर ही लड़की को करता था परेशान

एसपी प्रज्ञा मेश्राम ने बताया कि एकतरफा प्रेम प्रसंग का मामला है। आरोपी बहुत लंबे समय से ये लड़की को परेशान कर रहा था। आज ट्यूशन के लिए जाते वक्त इसने हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी को पकड़ लिया गया है। आगे की विवेचना जारी है। गांव में भी स्थिति ठीक है। किसी तरह का हंगामा या विरोध नहीं है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पेंड्रा के गार्डन से चंदन का पेड़ काटने वाले तीन तस्कर गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। वन अमले ने गौरेला क्षेत्र के नेवरी नानथाल गांव में दबिश देकर तीन चंदन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपित चंदन तस्करों के कब्जे से 20 लाख के चंदन जब्त किए गए हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अलग-अलग जगहों से चंदन काटकर पेंड्रा के व्यवसायी के पास बेचते थे। पूर्व में भी उन्होंने व्यवसायी कोई चंदन बेचा था। बुधवार को वन अमले ने गोरेला क्षेत्र के नेवारी नानथाल गांव में दबिश देकर मैथू राम सोनवानी के कब्जे से चंदन के सात टुकड़े बरामद किए।

वन अमले के मुताबिक इनकी कीमत करीब 20 लाख है। पूछताछ में मैथू ने बताया कि उसने अपने साथियों महेश प्रसाद निवासी तेंदूपारा पेंड्रा, संजय कुमार नामदेव निवासी गढ़ी पेंड्रा के साथ मिलकर पेंड्रा के इंदिरा गार्डन से चंदन के दो पेड़ काट दिए। इसकी लकड़ियों को सात टुकड़ों में काटकर रखा था। इसे वन अमले ने जब्त कर लिया। आरोपित चंदन तस्करों ने बताया कि वह शिकारपुर पेंड्रा निवासी सोम प्रकाश शर्मा के संपर्क में थे।

सोम प्रकाश शर्मा तस्करी के चंदन को खरीदता है। इससे पहले भी तस्करों ने उसे जंगल से काटकर चंदन उपलब्ध कराया था। इंदिरा गार्डन से काटे चंदन को वह सोम प्रकाश शर्मा के पास बेचने वाले थे। इससे पहले ही वे वन विभाग के पकड़ में आ गए। मामले में वन विभाग के अधिकारी चंदन तस्करों से पूछताछ कर रहे हैं। इधर चंदन तस्करों के पकड़ आने के बाद खरीदार अपने घर से फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

बिलासपुर के शनिचरी बाजार में शराब बेचने वाली महिला गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। सरकंडा पुलिस ने शनिचरी बाजार चांटीडीह में अवैध शराब बेचने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 16 पाव देसी शराब जब्त कर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। सरकंडा पुलिस को मंगलवार की सुबह सूचना मिली कि चांटीडीह शनिचरी सब्जी मंडी में एक महिला अवैध शराब की बिक्री कर रही है। इस पर पुलिस की टीम ने मौके पर दबिश देकर उषा साहू(55) को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में वह पुलिस को गुमराह कर रही थी। कड़ाई करने पर उसने देसी शराब बेचना बताया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने 16 पाव देसी शराब जब्त की है। आरोपित महिला के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। शहर के कई बार में देर रात तक ग्राहकों को शराब उपलब्ध कराया जा रहा है। लिंक रोड, महाराणा प्रताप चौक, टेलीफोन एक्सचेंज रोड स्थित बार समेत सरकंडा, टिकरापारा में कई जगहों पर देर रात तक अवैध शराब की बिक्री हो रही है। शराब बेचने वालों के पास लोगों की भीड़ लगी रहती है। इसकी जानकारी होने के बाद भी पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। बीते दिनों एक युवती ने छेड़छाड़ की शिकायत की थी। पीड़ित ने अपनी शिकायत की में स्पष्ट किया था कि देर रात वह बार से निकल रही थी। इस दौरान बार के पार्किंग में युवकों ने उससे विवाद किया। इसके बाद युवकों ने उससे छेड़खानी की थी। एफआइआर में स्पष्ट था कि देर रात तक बार खुली थी। इसके बाद भी पुलिस ने बार संचालकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की थी। मामले की जानकारी पुलिस ने आबकारी विभाग और जिला प्रशासन को भी नहीं दी थी।

नकली पिस्टल अड़ाकर मोबाइल लूटने वाले नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। कोटा क्षेत्र में बाइक सवार युवकों ने पिस्टल अड़ाकर डाटा एंट्री आपरेटर को रोक लिया। उनके पास केवल 10 रुपये होने पर लुटेरों ने दो मोबाइल लूट लिए। कर्मी ने इसकी शिकायत कोटा थाने में की। इस पर पुलिस लूट का मामला दर्ज कर नाबालिग समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। कोटा क्षेत्र के तिलैहापारा धनरास में रहने वाले प्रकाशमणी डाटा एंट्री आपरेटर हैं। रविवार की शाम सात बजे वे अपने दोस्त छत्रपाल मार्को के साथ धनरास गए थे।

वहां से वे अपनी मोटरसाइकिल से वासप तिलैहापारा लौट रहे थे। वे गांव के मरघट के पास पहुंचे थे। वहां पर करगीकला में रहने वाला दीपकुमार साहू अपने साथियों के साथ खड़ा था। युवकों ने प्रकाशमणी को रोक लिया। इसके बाद उन्होंने अपनी गाड़ी के लिए पेट्रोल मांगा। बाइक बंद कर वे बात कर ही रहे थे कि युवकों ने अपने पास रखे पिस्टल को निकालकर डाटा एंट्री आपरेटर को डराने लगे। पिस्टल देखकर डरे डाटा एंट्री आपरेटर ने रुपये नहीं होने की बात कही। इस पर युवकों ने उनके पास रखे दो मोबाइल को लूट लिया।

लूट की घटना के बाद युवक वहां से भाग निकले। मामले की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित दीपकुमार साहू को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने लूट की घटना को अपने नाबालिग साथी के साथ मिलकर अंजाम देना बताया। मामले में पुलिस ने आरोपित युवक और नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से लूट के मोबाइल को जब्त किया गया है।

घर में पीड़ित को दी थी धमकी

लूट की घटना के बाद डाटा एंट्री आपरेटर अपने साथियों के साथ नाबालिग के घर गया था। वहां आरोपित के स्वजन की मौजूदगी में उसने अपने मोबाइल को वापस मांगा। इस दौरान नाबालिग ने लूट की घटना में शामिल होने से इंकार करते हुए डाटा एंट्री आपरेटर और उनके साथ गए लोगों को धमकी भी दी। इसके बाद पीड़ित अपनी शिकायत लेकर कोटा थाने पहुंचा।

कोटा में आटो को बोलेरो ने मारी टक्कर, दो की मौत, आठ गंभीर

बिलासपुर (ए)। मंगलवार की देर रात कोटा क्षेत्र के मझवानी में कंचनपुर मोड़ के पास तेज रफ्तार बोलेरो ने आटो को टक्कर मार दी। हादसे में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सात महिलाओं की स्थिति गंभीर है। घटना की जानकारी होने के बाद ग्रामीणों ने पुलिस को फोन कर इसकी सूचना दी। वहीं, घायलों को उपचार के लिए रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। वहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को बिलासपुर के सिम्स रेफर कर दिया गया। मंगलवार को बेलगहना चौकी अंतर्गत शिवतराई में रहने वाली महिलाएं रिश्तेदार के घर छठी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्राम बानाबेल गई थीं। कार्यक्रम के बाद महिलाएं गांव लौट रही थीं। कंचनपुर मोड़ के पास बिलासपुर की ओर से जा रही बोलेरो ने महिलाओं से भरी आटो को टक्कर मार दी। टक्कर से आटो सड़क से दूर जाकर पलट गई। इससे दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण वहां पहुंच गए। ग्रामीणों ने हादसे की जानकारी कोटा पुलिस को दी। इसके बाद डायल 112 वाहन और जिला कांग्रेस के महामंत्री गणेश कश्यप ने अपने वाहन से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। रतनपुर में पांच घायलों को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। वहीं, तीन लोगों को सिम्स रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद से आटो चालक फरार है।

हादसे के बाद घायलों को लेकर अस्पताल जा रहे ग्रामीण रात 11.30 बजे रास्ते में रतनपुर थाने रुके और सूचना देने गए। ग्रामीणों ने बताया कि थाने में तैनात जवान सो रहे थे। इसके बाद ग्रामीण वहां से लौट गए। ग्रामीणों के साथ कोटा पुलिस के जवानों ने घायलों के उपचार की व्यवस्था की। एक साथ आठ घायलों के पहुंचने से रतनपुर स्वास्थ्य केंद्र में भी अफरा-तफरी मच गई थी।

हादसे में शिवतराई में रहने वाली आठ महिलाएं घायल हुई हैं। इनमें से गुलाब बाई, अनिता, भारती, संतोषी, दीप्ति, सोना बाई, मनोज बाई, विमला बाई की स्थिति गंभीर है। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद सिम्स रेफर कर दिया गया है।

व्यवसायी को पिता-पुत्र ने डंडे से पीटा, जुर्म दर्ज

भिलाई। कैंप-2 में बीती रात कर्ज की वसूली करने गए व्यवसायी को जामुल के ग्राम ढौर में पिता-पुत्र ने डंडे से पीट कर भगा दिया। घायल व्यवसायी ने देर रात जामुल थाना पहुंच मामले की रिपोर्ट दर्ज करवायी है। जामुल थाना प्रभारी ने बताया कि संतोषी पारा केम्प -2 निवासी पेशे से व्यवसायी हेमंत पाठक (40 वर्ष) ने अपनी दुकान में काम करने वाले शोभित यादव निवासी ग्राम ढौर को 2 लाख 11 हजार रुपये का कर्ज दिया था। जिसकी स्टाम्प में लिखा पढ़ी भी है। रुपये लौटाने में शोभित आज-कल देने की बात कहकर लगातार टाल मटोल करता था। कल रात 9:38 बजे हेमंत ग्राम ढौर शोभित यादव के घर गया और रूपये मांगने लगा। तारीख पर तारीख देने से नाराज हेमंत से शोभित यादव की कहासुनी होने लगी। तभी शोभित का लड़का धन्नू यादव मारपीट करने लगा। शोभित भी हेमंत को जान से मारने की धमकी देते डंडे से पीटने लगा। हेमंत के सिर, हाथ-पैर, पीठ व छाती में चोट आई है। पिता पुत्र के चंगुल से बीते हुए वह रात में ही थाना आया और रिपोर्ट दर्ज करवाई।

कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग

Email ID: durgmc2019@gmail.com Phone :- 0788-2322148

-: ई-प्रोक्योरमेंट चतुर्थ निविदा सूचना :-

क्रमांक/59/ज.प्र.वि./2022 दिनांक 07/06/22

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी ठेकेदारों से नीचे उल्लेखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	निविदा जारी दिनांक
1.	निकाय क्षेत्रान्तर्गत स्थापित विभिन्न स्थानों में स्थित वाल्व बदलने का कार्य। (4th Call) System No. 101768, Dated : 03.06.2022	रू. 28.21	03.06.2022 से 13.06.2022 खोलने की तिथि 16.06.2022

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

Tell/ Fax : 07826 - 273923 Email : bmopatan211@gmail.com

क्रमांक/स्वास्थ्य सेवाये/2022/585 पाटन, दिनांक : 06.06.2022

निविदा आमंत्रण

सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.) में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. स्कूल शालेय बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं भ्रमण कार्य हेतु ए.सी. वाहन
2. प्रसूता महिलाओ/अन्य भर्ती मरीज हेतु भोजन प्रदाय करने हेतु
3. प्रशिक्षण व मीटिंग हेतु भोजन, चाय व नाश्ता प्रदाय करने हेतु

उपरोक्तानुसार इच्छुक पंजीकृत फर्म/व्यक्ति से मुहरबंद निविदाएं पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से कार्यालयीन अवधि में 500/- की नगद राशि जमा कर इस दिनांक 09.06.2022 दिन गुरूवार से प्राप्त की जा सकती है।

1. निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि :- 28.06.2022 को सायं 05 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि :- 29.06.2022 को दोप. 02 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि :- 29.06.2022 को अपरांह 03 बजे
4. निविदा खोलने का स्थान :- कार्यालय खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामु.स्वा.केन्द्र पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

जी-91943/4

खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

नगर सेवाएं विभाग के टीईईडी की टीम ने दिखाई क्रिएटिविटी

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्मिकों ने समय-समय पर अपनी सृजनषीलता का प्रदर्षन करते हुए उत्कृष्ट कार्य का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसी क्रम में नगर सेवाएं विभाग के तहत आने वाले टाउन इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट (टीईईडी) के सेक्टर-2 एलटी सेक्षन के इंचार्ज श्री आर के प्रसाद एवं उनकी टीम ने अपनी क्रिएटिविटी दिखाते हुए पुराने तथा बेकार हो चुके एयर सर्किट ब्रेकर (एसीबी) को नया जीवन देने में कामयाबी हासिल की। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने ब्लास्ट फर्नेस के पीडीबी पैनल के रेनोवेषन के दौरान निकाले गये पुराने तथा बेकार हो चुके एयर सर्किट ब्रेकर को टाउन इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट ने इसे संग्रहित कर पुनः उपयोगी बनाने की कवायद शुरू की। इस बेकार यूनिट को पुनः चालू करने की चुनौती सेक्टर-2 एलटी सेक्षन के इंचार्ज श्री आर के प्रसाद एवं उनकी टीम ने वरिष्ठ प्रबंधक (एलटी ईस्ट) श्री अजय साहू के मार्गदर्षन व सुपरविजन प्रारंभ किया। श्री श्री आर के प्रसाद एवं श्री अजय साहू तथा संबंधित कार्मिकों की टीम ने इस यूनिट को पूरी तरह ओवरऑलिंग कर पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया। इस हेतु रणनीतिक योजना बनाकर प्रत्येक काम करने वाले हिस्से के रखरखाव के बाद इसे पुर्नउपयोगी बनाया गया। इसके साथ ही इस यूनिट के विभिन्न कलपुर्जों को रिपेयर कर पुनः उपयोग करने योग्य बनाया गया।

महापौर नीरज पाल के जन्मदिवस पर हुआ रक्तदान एवं रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन

विधायक देवेंद्र यादव सहित शुभचिंतकों ने दी बधाई, लगा रहा लोगों का तांता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर नीरज पाल के जन्मदिवस पर उन्होंने मंदिर में माथा टेककर तथा पूजा अर्चना कर भिलाई वासियों के सुख और समृद्धि के लिए कामना की। वही सुबह से ही महापौर को उनके जन्मदिवस पर बधाई देने वालों का ताता लगा रहा। महापौर सहजता से सभी से मिलते रहे। महापौर नीरज पाल ने मुख्यमंत्री निवास तथा विधायक देवेंद्र यादव के निवास पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त किया, इस दौरान मुख्यमंत्री के ओएसडी मनीष बंछोर भी उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम सुबह 7:00 बजे सबसे पहले भिलाई नगर के विधायक देवेंद्र यादव ने महापौर को जन्मदिन की बधाई प्रेषित की और इसी के साथ ही महापौर के दिन की शुरुआत हुई। बधाई देने वालों में निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, महापौर परिषद के सदस्य एकांश बंछोर, सीजू एंथोनी, लक्ष्मीपति राजू, नेहा साहू, चंद्रशेखर गवई, साकेत चंद्राकर, मन्नान गफ्फार खान, आदित्य सिंह, संदीप निरंकारी, लालचंद वर्मा, रीता सिंह गेरा, मालती ठाकुर, मीरा बंजारे, केशव चौबे ने महापौर को जन्मदिवस की बधाई दी, निगम के पार्षदों और अधिकारियों ने भी महापौर से मुलाकात कर उन्हें बधाई संदेश दिया। वही महापौर के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर एवं रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन सतविजय ऑडियोटोरियम में किया गया था। जिसमें धर्मेंद्र यादव, जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा के अलावा युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर रक्तदान एवं रक्त परीक्षण करवाया। रक्तदान शिविर में 54 यूनिट रक्तदान किया गया तथा 350 लोगों ने अपना रक्त जांच करवाया। रक्तदान शिविर के आयोजन में भास्कर दुबे एवं अकाश कनौजिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। महापौर ने रक्तदान करने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इधर एमआईसी सदस्य एवं पार्षदों ने भी रक्त परीक्षण करवाकर हिस्सा लिया।

महापौर के जन्मदिवस पर एमआईसी सदस्य चंद्रशेखर गवई ने पावर पंप का किया उद्घाटन, लक्ष्मी नगर के कई घरों में पानी की समस्या से मिली निजात, महापौर के प्रयासों से हुआ काम महापौर नीरज पाल के जन्मदिवस पर एमआईसी सदस्य चंद्रशेखर गवई ने वार्ड क्रमांक 10 लक्ष्मी नगर में पावर पंप का उद्घाटन कर आसपास के रहवासियों को पेयजल की समस्या से निजात दिलाई है, चंद्रशेखर ने लक्ष्मी नगर में पावर पंप लगने के अवसर पर तथा महापौर के जन्म दिवस के उपलक्ष पर मिठाई बांटकर खुशियां जाहिर की।

उन्होंने बताया कि महापौर के प्रयासों से आज वार्ड 10 के लक्ष्मी नगर मोहल्ले में पावर पंप चालू किया गया जिससे समय पर रहवासियों को पेयजल की समस्या से निजात मिली है। रहवासियों ने इसके लिए महापौर का आभार जताया।

नाले की सफाई के लिए गैंग में अतिरिक्त कामगार लगाएं

वार्डों की सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो, बारिश होने पर बस्तियों में जलभराव न होने पाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्टेट वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन के चेयरमेन वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने आज शहर के प्रमुख नालों की सफाई कार्य का निरीक्षण किया। वोरा ने शंकर नाला, शक्ति नगर नाला और केलाबाड़ी नाले में सफाई का काम तेजी से पूरा करने के निर्देश दिये। वोरा ने साफ कहा कि बारिश शुरू होने से पहले सभी नालों की सफाई का काम पूरा हो जाना चाहिए।

विद्यापीठ स्कूल के पास शंकर नाला का निरीक्षण करने के बाद वोरा उरला टेल एरिया में भी सफाई कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि नाले में उगी झाड़ियों की सफाई जरूरी है। इसके कारण पानी का बहाव रुकता है और बस्तियों में जलभराव होने लगता है। इसी तरह नाले में प्लास्टिक आदि का कचरा रोकने के लिए जगह-जगह जालियां लगाई गई हैं। इन जालियों की नियमित सफाई होनी चाहिए। वोरा ने कहा कि नालों की सफाई के दौरान वार्डों की सफाई व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

वोरा ने केलाबाड़ी नाला और शक्तिनगर नाला का निरीक्षण भी किया और स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दीवान को अगले एक हफ्ते के भीतर सभी नालों की सफाई का कार्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिये। दीवान ने बताया कि 3 माह पहले भी सभी नालों की सफाई का काम किया जा चुका है। अब मानसून से पहले नालों की सफाई की जा रही है। बारिश में नालों के कारण जलभराव की नौबत नहीं आएगी। निरीक्षण के दौरान पार्षद देव नारायण चंद्राकर, निगम के ईई एसडी शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दीवान, पप्पू श्रीवास्तव मौजूद थे।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग में विभागीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दिनांक 06 जून, 2022 को सेक्टर-5 स्थित भिलाई इस्पात संयंत्र, निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग में राजभाषा विभाग के सहयोग से विभागीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (सीएसआर) शिवराजन नायर उपस्थित थे। आरम्भ में उपस्थित अतिथियों का स्वागत विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारी श्री विवेक मिश्र, सहायक प्रबंधक (सीएसआर) ने किया। विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि विभाग द्वारा हिंदी में ज्यादातर कार्य हिंदी में संपादित किए जा रहे हैं। डायरी-डिस्पैच हिंदी में किया जाता है। नाम पट्टिका, बोर्ड द्विभाषी में प्रयोग होते हैं। विभाग में प्रयुक्त प्रपत्र हिंदी एवं अंग्रेजी एवं अन्य विभागीय क्रियाकलापों में हिंदी का प्रयोग किया जा रहा है तथा शत-प्रतिशत पत्राचार हिंदी में किया जाता है। कार्यक्रम में सामान्य ज्ञान पर आधारित हिंदी भाषा में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर 06 प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया और पुरस्कार प्रदान किए गए।

मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (सीएसआर) श्री शिवराजन नायर ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है। हिंदी एक आम बोलचाल की भाषा है, इसमें जो बोलते हैं वही लिखते-पढ़ते हैं। सीएसआर विभाग में हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में ही दिए जाते हैं, तथा संपूर्ण कार्य हिंदी में किया जाता है।

कामधेनु विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स ने इंटर्नशिप अलाउंस बढ़ाने की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से इंटर्नशिप की राशि बढ़ाने की मांग की है। विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स ने आज स्टेट वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन के चेयरमेन व वरिष्ठ विधायक अरुण वोरा को ज्ञापन सौंपकर इस दिशा में उचित पहल करने की मांग की।

वोरा ने सभी स्टूडेंट्स को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे इस संबंध में मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे और स्टूडेंट्स की मांगो से अवगत कराते हुए इंटर्नशिप बढ़ाने का अनुरोध करेंगे। स्टूडेंट्स ने बताया कि कामधेनु विश्वविद्यालय के बीवीएससी एंड एएच कोर्स करने वाले छात्र-छात्राओं को कुल 7600 रुपए इंटर्नशिप अलाउंस दिया जा रहा है।

इसमें राज्य सरकार ने 4600 रुपए और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से 3000 रुपए कुल 7600 रुपए शामिल है। दूसरे राज्यों में सरकारों द्वारा इंटर्नशिप की राशि काफी ज्यादा दी जा रही है। काफी समय से इंटर्नशिप की राशि राज्य सरकार द्वारा नहीं बढ़ाई गई है। स्टूडेंट्स ने कहा कि कर्नाटक में 14000 रुपए, केरल में 20000 रुपए, हरियाणा में 17000 रुपए, असम में 15000 रुपए, राजस्थान में 14000 रुपए, उत्तर प्रदेश में 15000 रुपए दिए जा रहे है। वहीं छत्तीसगढ़ में केवल 4600 रुपए दिए जा रहे है। छात्र-छात्राओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी कम से कम 18000 रुपए इंटर्नशिप दिया जाना चाहिए।

कार्यालय में अनुपस्थित कर्मचारियों को निरीक्षण के दौरान आयुक्त प्रकाश सर्वे ने थमाया नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कार्यालय में कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे कभी भी विभागों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं, कार्यालयीन अवधि में गायब कर्मचारियों को नोटिस जारी किया जा रहा है। दिन शनिवार एवं रविवार को अवकाश होने एवं कार्यालय दिवस में समय प्रात: 10:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक के समय के अधिसूचना जारी होने के साथ ही आयुक्त सक्रियता से कभी भी औचक निरीक्षण कर रहे हैं।

इसी तारतम्य में आज आयुक्त ने शाम 5 बजे कार्यालय समाप्त होने के ठीक पूर्व मुख्य कार्यालय के विभिन्न विभागों का निरीक्षण करना प्रारंभ किया। ट्रेसर दौलत चंद्राकर जो कि बिना कारण के अनुपस्थित थे उन्हें शो कॉज नोटिस जारी किया गया है, वही राजेश जांगड़े को चेतावनी दी गई है। यह कर्मचारी बिना सक्षम स्वीकृति के ऑफिस से अनुपस्थित मिले।

मुख्यालय एवं जोन कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारियों को बिना सक्षम स्वीकृति के अवकाश पर नहीं जाने व मुख्यालय से बाहर नहीं रहने के आदेश निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने दिए है, फिर भी भवन अनुज्ञा शाखा से 2 कर्मचारी ट्रेसर दौलत चंद्राकर व राजेश जांगडे भृत्य बिना सक्षम स्वीकृति के कार्यालय से गायब मिले। इन कर्मचारियों को निगमायुक्त ने शो कॉज नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। औचक निरीक्षण में सर्वप्रथम स्टेनो कक्ष से उन्होंने शुरुआत की और उपायुक्त कक्ष, संपत्तिकर विभाग, टैक्स कलेक्शन काउंटर, राजस्व विभाग, जन्म मृत्यु एवं लोक सेवा गारंटी के कार्यों के लिए स्थापित काउंटर, भवन अनुज्ञा विभाग, अभियंता कक्ष, स्वास्थ्य विभाग, जन सूचना विभाग, सचिवालय, राजस्व विभाग, लेखा विभाग, कंप्यूटर शाखा, स्थापना विभाग, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन एवं भवन संधारण सहित तमाम विभागों का भी कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर निरीक्षण किए। आयुक्त ने सभी अधिकारी/कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि कार्यालयीन समय प्रात: 10:00 बजे से सायं 5:30 बजे का अनिवार्य रूप से पालन करें और बिना सक्षम स्वीकृति के मुख्यालय न छोड़े अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त रमाकांत साहू, आयुक्त टू स्टेनो कक्ष से स्टेनो पुरुषोत्तम साहू मौजूद रहे।

आयुक्त के आदेश देते ही अवैध अतिक्रमण पर शुरू हुई कार्रवाई

33 स्थानों से हटाए गए कब्जे, 12 लोगों से लिया गया जुर्माना, निगम का बुलडोजर भी आया मैदान में

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश देने के बाद फौरन अवैध अतिक्रमण, अवैध कब्जा, अवैध निर्माण एवं अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई होना प्रारंभ हो गया है। आज नेहरू नगर जोन क्रमांक 1 क्षेत्र अंतर्गत 33 स्थानों से कब्जे हटाए गए और यातायात को सुगम बनाया गया।

इधर 12 लोगों से 10100 रुपए के दांडिक शुल्क का चालान भी काटा गया। भिलाई निगम ने नेहरू नगर चौक से घड़ी चौक सुपेला तथा सुपेला चौक से रेलवे फाटक तक लगे हुए ठेलो को हटाने की कार्यवाही की गई और नेहरू नगर अंडर ब्रिज के पास से लगे हुए ठेलो को भी जेसीबी और डंपर से ध्वस्त किया गया। इस कार्रवाई में सहायक राजस्व अधिकारी परमेश्वर चंद्राकर एवं राजेश गुप्ता सहित टीम मौजूद रही। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी कार्रवाई की मॉनिटरिंग करते रहे और जायजा लेते रहे। वहीं पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में निगम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

प्रमुख चौक चौराहों के समीप जगह-जगह अवैध ठेला एवं दुकान होने के कारण लोगों को आवाजाही में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है वही दुर्घटना की संभावना भी अधिक होती है। शहर की सुंदरता पर भी दाग लगता है।

सड़क पर ही अवैध ठेले लगने से राहगीरों को आने-जाने में परेशानी होती है। वही खासकर मोड़ वाले जगह पर सामने से आने वाले वाहन तथा राहगीर भी दिखाई नहीं देते। इन सब कारणों से अवैध ठेले और दुकानों को हटाने की कार्यवाही निगम प्रशासन ने की है। आकाशगंगा मार्केट में ठीक मंदिर के समीप के दुकानों को भी हटाया गया। हटाने के बाद यहां का मार्ग सुगम हो गया। सड़क से सटे हुए ठेलो को भी हटाने की कार्यवाही की गई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950